नई दिल्ली ■ बुधवार 25 मार्च 2026 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 356 ■ पृष्ठ 08

JBT **जनभावना टाइम्स**

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 नौकरी की दौड़ में खोती पढ़ाई | 07 दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित | मानसी पारेख ने अपने नाम की उपलब्धि 08

इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का एम्स में निधन

नई दिल्ली। भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का 13 साल से अधिक समय तक कोमा में रहने के बाद एम्स-दिल्ली में मंगलवार को निधन हो गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। राणा (31) को 14 मार्च को गाजियाबाद स्थित उनके घर से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के डॉ. बीआर आंबेडकर इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल की उपशामक देखभाल इकाई (पैलिएटिव केयर यूनिट) में स्थानांतरित किया गया था।

वह 2013 से कोमा में थे। उससे तीन दिन पहले, 11 मार्च को उच्चतम न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में हरीश राणा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। राणा पंजाब विश्वविद्यालय में बीटेक के छात्र थे। वह 2013 में चौथी मंजिल की बालकनी से गिर गए थे और उन्हें सिर में गंभीर चोटें आई थीं। तब से वह कोमा में थे और उन्हें कृत्रिम पोषण और कभी-कभी ऑक्सीजन की सहायता दी जा रही थी। निष्क्रिय इच्छामृत्यु का अर्थ है कि मरणासन्न या लाइलाज बीमारी से जूझ रहे किसी मरीज को जीवित रखने वाली चिकित्सा सहायता को रोकने या जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने की अनुमति देना, ताकि उसकी स्वाभाविक रूप से मौत हो सके। सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद राणा की पोषण संबंधी सहायता धीरे-धीरे बंद कर दी गई। राणा के परिवार में उनके माता-पिता अशोक और निर्मला राणा हैं।

उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद राणा के परिवार ने कहा था कि कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण हटाने से परिवार को व्यक्तिगत रूप से कोई लाभ नहीं होगा, लेकिन व्यापक जनहित में यह निर्णय समान परिस्थितियों का सामना कर रहे अन्य लोगों की मदद कर सकता है। उनके पिता ने कहा था कि निर्षक्रिय इच्छामृत्यु से वर्षों के अपूरणीय कष्ट से हरीश को मुक्ति मिलेगी। उच्चतम न्यायालय ने एम्स-दिल्ली को निर्देश दिया था कि मरीज की गरिमा का ध्यान रखते हुए जीवन रक्षक उपकरण को सुनियोजित तरीके से हटाया जाए। भारत में पहली बार इस प्रक्रिया को लागू करने के लिए एनेस्थीसिया और 'पैलिएटिव मेडिसिन' विभाग की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा मिश्रा के नेतृत्व में एक विशेष चिकित्सा टीम का गठन किया गया था। इस टीम में 'न्यूरोसर्जरी', 'ऑन्को-एनेस्थीसिया' और 'पैलिएटिव मेडिसिन' तथा मनोचिकित्सा विभागों के डॉक्टर शामिल थे।

उच्चतम न्यायालय ने 11 मार्च के अपने फैसले में देश में पहली बार किसी व्यक्ति के लिए निर्षक्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। इस मुद्दे पर फैसला सुनाते हुए, न्यायमूर्ति जे बी परदीवाला और के वी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र सरकार से निर्षक्रिय इच्छामृत्यु पर व्यापक कानून लाने पर विचार करने को कहा था। न्यायालय ने कहा था कि राणा केवल 'परक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टोमी' ट्यूब के माध्यम से चिकित्सकीय रूप से दिए गए पोषण से ही जीवित थे, और मेडिकल बोर्ड ने सर्वसम्मति से यह निष्कर्ष निकाला कि उपचार जारी रखना केवल उनके जैविक अस्तित्व को लंबा खींच रहा था, जबकि उनके ठीक होने की कोई संभावना नहीं थी। न्यायालय ने कहा था कि जब प्राथमिक और माध्यमिक बोर्ड ने जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने को प्रमाणित कर दिया है, तो न्यायिक हस्तक्षेप की कोई आवश्यकता नहीं है।

शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया था कि वह सभी जिलों में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, द्वितीयक मेडिकल बोर्ड में नामांकन के लिए पंजीकृत चिकित्सकों का एक पैनल बनाए रखें। अदालत ने राणा के माता-पिता का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, अपने बेटे के प्रति अपार स्नेह और देखभाल के लिए उनकी सराहना व्यक्त की।

न्यायालय ने कहा था कि उनके परिवार ने कभी उनका साथ नहीं छोड़ा। निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश अदालत के 2018 के 'कॉमन कॉज' मामले में निर्णय के अनुरूप है, जिसे 2023 में संशोधित किया गया था और 'गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार' को मान्यता दी गई थी। वर्ष 2018 के फैसले में, एक संविधान पीठ ने निर्षक्रिय इच्छामृत्यु और गरिमा के साथ मृत्यु के अधिकार को अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी थी। शीर्ष अदालत ने कहा था कि निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को 'अग्रिम चिकित्सा निर्देशों' का उपयोग करके अंजाम दिया जा सकता है। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 24 जनवरी, 2023 को मरणासन्न या लाइलाज बीमारियों से ग्रस्त मरीजों को निष्क्रिय इच्छामृत्यु प्रदान करने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 2018 के दिशानिर्देशों में संशोधन किया। दिशानिर्देशों में कहा गया कि कोमा जैसी स्थिति में पड़े रोगी के लिए कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली को हटाने के संबंध में विशेषज्ञ राय के लिए एक प्राथमिक और एक द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड का गठन करना होगा।

पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष संकट

हर स्त्रोत से तेल-गैस जुटा रहा भारत, शांति ही समाधान: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी सैन्य संघर्ष के बीच मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट से निपटने के लिए भारत हर संभव स्त्रोत से कच्चा तेल और गैस जुटाने में लगा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का मुख्य फोकस देश में ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के साथ-साथ कूटनीति के जरिए क्षेत्र में शांति बहाल करना है, क्योंकि लंबे समय तक जारी यह संकट गंभीर वैश्विक और आर्थिक दुष्परिणाम ला सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है और इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा है। भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है, क्योंकि इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरकों जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही वैश्विक व्यापार मार्गों पर भी दबाव बढ़ा है, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों के फंसने से स्थिति और जटिल हो गई है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रह रहे हैं, जिनकी सुरक्षा और आजीविका सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक 3.75 लाख से अधिक भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया जा चुका है। ईरान से भी 1,000 से अधिक भारतीयों की वापसी हुई है, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हैं। हालांकि, कुछ भारतीयों की मृत्यु और घायल होने की घटनाएं भी सामने आई हैं, जिनके परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत का स्पष्ट रुख है कि इस संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति से ही संभव है।

प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप ने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा कि भारत पश्चिम एशिया में जल्द से जल्द तनाव कम करने और शांति बहाल करने का समर्थन करता है। इस बातचीत में वैश्विक पोत परिवहन के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के वास्ते ईरान के लिए अमेरिका की ओर से समयसीमा पांच दिन बढ़ाए जाने के एक दिन बाद ट्रंप ने मोदी को फोन किया। मोदी ने कहा कि भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। होर्मुज जलडमरूमध्य का खुला, सुरक्षित और सुलभ रहना पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है। हमने शांति और स्थिरता के प्रयासों के संबंध में संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की। इस संबंध में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण पोत परिवहन मार्ग को खुला रखने के महत्व पर विचार-विमर्श किया। गोर ने सोशल मीडिया पर कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की अभी बातचीत हुई। उन्होंने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने का महत्व भी शामिल है।

दिल्ली सरकार ने पेश किया 1.03 लाख करोड़ का बजट

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता ने विधानसभा में मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जो पिछले वर्ष से 3700 करोड़ अधिक है। दिल्ली सरकार के 1,03700 करोड़ रुपये के बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए 19,326 (18.64 फीसद), चिकित्सा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य 13,034 (12.57 फीसद), परिवहन, सड़कें एवं पुल 12,613 (12.16 फीसद), आवास एवं शहरी विकास 11,572 (11.16 फीसद), सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण 10,537 (10.16 फीसद), जल आपूर्ति एवं स्वच्छता 9000 (8.68 फीसद), सार्वजनिक ऋण 4,254 (4.10 फीसद)शामिल है।

दिल्ली विस को बम से उड़ाने की धमकी, सर्च ऑपरेशन में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने के धमकी भरे ई-मेल के बाद मंगलवार को परिसर और आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। पुलिस अधिकारी के अनुसार धमकी की जानकारी मिलने के बाद बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड, आपदा प्रबंधन, दमकल विभाग सहित अन्य संबंधित एजेंसियों ने मौके पर पहुंचकर विधानसभा परिसर की गहन तलाशी ली, लेकिन अब तक कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिला है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार जांच एजेंसी और उत्तरी जिला पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से विधानसभा परिसर की जांच की। सर्च ऑपरेशन के दौरान हर हिस्से की बारीकी से जांच की गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु या गतिविधि सामने नहीं आई। धमकी भरे मेल को गंभीरता से लेते हुए विधानसभा के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ आने-जाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पुलिस ने कहा है कि मेल भेजने वाले की पहचान करने के लिए तकनीकी जांच की जा रही है। साइबर टीम भी अलर्ट पर है और ईमेल के स्त्रोत का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इस घटना पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र के मंदिर को इस तरह से डराना निंदनीय है।

रेलवे के नए टिकट कैंसिलेशन नियम लागू रिफंड सिस्टम हुआ आसान व पारदर्शी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड के नियमों को और सरल एवं पारदर्शी बना दिया है। अब यात्रियों को समय रहते अपनी टिकट की स्थिति की जानकारी मिल सकेगी और रिफंड प्रक्रिया भी पहले से आसान हो गई है। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि इन नए नियमों से यात्रियों पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को रेल भवन में संवाददाता सम्मेलन में 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पहल के तहत रेलवे में व्यापक सुधारों की घोषणा करते हुए टिकट कैंसिलेशन और रिफंड नियमों में बड़े बदलाव का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इन सुधारों का उद्देश्य अंतिम समय की सट्टेबाजी बुकिंग पर रोक लगाना, वास्तविक यात्रियों को टिकट उपलब्ध कराना और पारदर्शिता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि चार्ट बनाने का समय अब 4 घंटे से बढ़ाकर 9 से 18 घंटे पहले कर दिया गया है।

भारत-कंबोडिया के बीच द्विपक्षीय सहयोग, रणनीतिक साझेदारी पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और हिंद-प्रशांत विजन को मजबूती प्रदान करते हुए विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) पी. कुमारन ने कंबोडिया का आधिकारिक दौरा संपन्न किया। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को लेकर चर्चा हुई।

एलपीजी से लदे भारत के दो जहाजों पाइन गैस और जग वसंत ने होर्मुज पार किया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्र सरकार ने देश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। सरकार ने एलपीजी की आपूर्ति को सामान्य बताने के साथ ही पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

एलपीजी से भरे हुए भारत के दो जहाज पाइन गैस और जग वसंत नौसेना की निगरानी में भारत की ओर बढ़ रहे हैं और दोनों जहाजों ने सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि सभी रिटेल आउटलेट्स पर काम सामान्य रूप से चल रहा है। हमारे फ्यूल स्टेशनों पर पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि कृपया अफ़वाहों पर ध्यान न दें और घबराकर खरीदारी करने से बचें।

शर्मा ने कहा कि सोमवार को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने सभी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) संस्थाओं को निर्देश दिया है कि वे पांच दिनों के भीतर आवासीय स्कूलों, कॉलेजों, हॉस्टलों, कम्युनिटी किचन, आंगनवाड़ी आदि को पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराएं, जहां भी आस-पास पाइपलाइन का इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक हालात की वजह से एलपीजी की सप्लाई पर असर पड़ा है, लेकिन बहुत सारा कार्गो लाइन में लगा हुआ है।

सीएम ने यमुना सिटी में उद्योग लगाने के लिए 3 कंपनियों को जारी किया भूमि का आवंटन पत्र

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विमानों के उड़न से पूर्व ही यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के यमुना सिटी में उद्योग और विकास कार्यों ने उड़ान भरना शुरू कर दिया है। इन्वेस्ट यूपी की पहल पर मंगलवार)लोकभवन लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश की तीन नामी कंपनियों को यीडा क्षेत्र में औद्योगिक ईकाईयों की स्थापना के लिए भूमि का आवंटन पत्र जारी किया।

सैकड़ों करोड़ रुपए के निवेश के साथ यह कंपनियां हजारों लोगों को रोजगार भी देंगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के सीईओ राकेश कुमार सिंह ने बताया कि आज मुखयमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभावन लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मैसर्स एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड, मैसर्स सीएनएच इंडस्ट्रियल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड तथा मैसर्स सन ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को भूमि का आवंटन पत्र सौंपा। यीडा सीईओ ने बताया कि मैसर्स एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-10 में 154 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है। फर्म द्वारा इस भूमि में औद्योगिक ईकाई का निर्माण कर ट्रैक्टरों और निर्माण उपकरण संयंत्र के लिए विनिर्माण इकाई की स्थापना करते हुए उत्पादन किया जायेगा। जिससे 2029 करोड़ का निवेश होगा तथा 4000 व्यक्तियों को रोजगार का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि मैसर्स सीएनएच इंडस्ट्रियल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-8डी में 100 एकड़ भूमि का आवंटन किया गया है।

कम्पनी द्वारा औद्योगिक ईकाई का निर्माण करते हुए ट्रैक्टर के लिए विनिर्माण इकाई आदि का उत्पादन किया जायेगा जिससे 1219.81 करोड़ का निवेश होगा तथा 1200 व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजन होगा। सीईओ ने बताया कि इसके अलावा मैसर्स सन ऑर्गेनिक इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को यमुना प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत सेक्टर-8डी में विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए 30 हजार वर्गमीटर भूमि आवंटित की गयी है। कम्पनी द्वारा औद्योगिक ईकाई का निर्माण करते कंपनी द्वारा ड्राई फ्रूट प्रसंस्करण और पैकेजिंग का उत्पादन किया जायेगा। जिससे 225.16 करोड़ का निवेश होगा तथा 569 व्यक्तियों को कंपनी द्वारा रोजगार दिया जायेगा।

ब्रजेश पाठक ने उत्तर भारत के सबसे बड़े बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर का किया उद्घाटन

नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित शारदा केयर हेल्थिसिटी अस्पताल में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उत्तर भारत के सबसे बड़े बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी की ओर से बॉलीवुड की फिल्म धुरंधर-2 पर निशाना साधे जाने पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि साहित्यकारों ने फिल्म बनाई है। अगर निशाना साधा जा रहा है तो यह तुच्छ मानसिकता को दर्शाता है। डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री 28 मार्च को उद्घाटन करने जा रहे हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आने से जनपद के हजारों लोगों को नौकरी मिलेगी। समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमले बोलते हुए कहा कि कुछ भी कर लें, उनका कुछ भी होने वाला नहीं है। सबको याद है कि गुंडों और माफिया का राज रहता था। चार कार्यकाल जनता ने देखे हैं। नोएडा वालों को समाजवादी पार्टी अच्छे से याद होगी।

मिशन शक्ति-5 के तहत नोएडा पुलिस ने निकाली जागरूकता रैली

नोएडा। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति -5 अभियान के तहत मंगलवार को गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने जागरूकता रैली निकाली। इसके माध्यम से महिलाओं, बच्चियों और बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। उन्हें बताया गया कि वे अपराध के प्रति वे आवाज़ उठाएं और अपने स्वाभिमान को बरकरार रखें। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने इस अवसर पर कहा कि मिशन शक्ति अभियान पांच के तहत चैत्र नवरात्रि में आज आम जनता, बच्चों और महिलाओं के बीच में जागरूकता फैलाने के लिए एक रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से सरकार द्वारा चलाए जा रहे महिला सुरक्षा समेत विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से यूपी पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए वर्तमान में चलाये जा रहे अभियान/कार्यक्रमों की जानकारी दी गयी; उन्होंने कहा कि प्रत्येक थाने में मिशन शक्ति केंद्र बने हैं।

उसमें महिला संबंधित सभी प्रकार के समस्याओं का निदान करने के लिए पुलिस कर्मियों को ट्रेनिंग दी जा रही है तथा उन्हें इस बात के लिए प्रेरित किया जा रहा है कि थाने में बने मिशन शक्ति केंद्र में आने वाले प्रत्येक पीडित को न्याय दिया जाय; उन्होंने कहा कि हमें आशा है कि मिशन शक्ति सशक्तिकरण केंद्र बनकर उभरेगा। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण 28 मार्च तक तथा दूसरा चरण 29 मार्च से 7 अप्रैल तक चलेगा। पुलिस आयुक्त ने मिशन शक्ति जागरूकता रैली में शामिल महिला पुलिसकर्मियों से भी जाकर बातचीत की। उन्होंने अच्छे कार्य करने वाली महिला पुलिसकर्मियों का उत्साह बढ़ाया।

उनके सवाल का जवाब देते हुए कई महिला पुलिस कर्मियों ने कहा कि अब उन्हें किसी जांच में जाने के लिए पुरूष पुलिस कर्मी की जरूरत नहीं पड़ती, वे लोग निर्भीक होकर अपना काम कर रही हैं। कुछ महिला पुलिस कर्मियों ने कहा कि उनका प्रयास होता है कि थाने में बने मिशन शक्ति केंद्र में शिकायत लेकर आने वाली पीड़ित महिला की समस्या का समाधान किया जाय।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने नोएडा एयरपोर्ट के उद्घाटन की तैयारियों पर सांसद-विधायक संग की बैठक

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के 28 मार्च को होने वाले उद्घाटन समारोह और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा को उत्तर प्रदेश भाजपा ऐतिहासिक बनाने में जुट गई है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और इलाके का एक एककार्यकर्ता इसकी तैयारी में जुटा है। मंगलवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल ने जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचकर वहां पर कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों तथा नेताओं के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इससे पूर्व 22 मार्च को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया था।

दरअसल, आगामी 28 मार्च को जेवर में नवनिर्मित नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकार्पण करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री की रैली को संबोधित करेंगे। इन दोनों कार्यक्रमों को ऐतिहासिक और सफल बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी एवं संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह ने जेवर पहुंचकर सांसद, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक में गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, नोएडा विधायक पंकज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, नोएडा महानगराध्यक्ष महेश चौहान के अलावा अलीगढ़ व गाजियाबाद के जनप्रतिनिधि शामिल रहें। बैठक में कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा, जनसहभागिता, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न जिम्मेदारियों को लेकर गहन चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों को उनके दायित्व सौंपते हुए यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि आयोजन पूर्णतः सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं ऐतिहासिक स्वरूप में संपन्न हो।

बैठक में कहा गया कि 28 मार्च का दिन जनपद गौतमबुद्ध नगर के लिए एक स्वर्णिम अवसर होगा, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का लोकार्पण करेंगे। नेताओं ने कहा कि यह केवल एक एयरपोर्ट का उद्घाटन नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और नई संभावनाओं के द्वार खोलने वाला ऐतिहासिक क्षण होगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यक्रम की सफलता के किए व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा तथा सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए निरंतर निगरानी रखी जाएगी। जेवर में बैठक करने के बाद उत्तर प्रदेश भाजपा संगठन के महामंत्री धर्मपाल ने बुलंदशहर और हापुड़ जनपद में जाकर भी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। इस संबंध में गौतमबुद्ध नगर के सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि उद्घाटन समारोह में एक लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ जुटने की संभावना है। इसको लेकर हर स्तर पर तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर भव्य पांडाल तैयार किया जा रहा है। हर कार्यकर्ता को जिम्मेदारी दी गई है कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि वर्ष '2021 में इसका शिलान्यास किया गया था और 2026 में इसका लोकार्पण किया जा रहा है। यह अपने आप में एक संपूर्ण एयरपोर्ट होगा, जहां एमआरओ (हवाई जहाजों के रिपेयर की सुविधा), कार्गो (सामान ले जाने की सुविधा) और यात्री सेवा तीनों ही एक छत के नीचे उपलब्ध होंगी।' एयरपोर्ट के साइज को लेकर उन्होंने कहा कि 'यह दिल्ली के एयरपोर्ट से लगभग ढाई गुना बड़ा है। वहीं मुंबई के एयरपोर्ट से यह लगभग तीन गुना बड़ा है।

एशिया के अंदर यह पहला बड़ा एयरपोर्ट होगा। उन्होंने कहा कि इसके चालू होने के बाद यहां रहने वाले लोगों और किसानों के जीवन में नया बदलाव आएगा। यहां की जमीन के भाव आज आसमान छू रहे हैं। विकास की नई गाथा लिखी जाएगी और युवाओं के रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। नए-नए उद्योग, नए निवेश और विश्व की प्रतिष्ठित कंपनियां गौतमबुद्ध नगर के जेवर क्षेत्र में आएंगी।'

नोएडा: युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नोएडा। थाना बीटा-दो क्षेत्र के नवादा गांव में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने मंगलवार को बताया कि बुलंदशहर जिले के रहने वाला करन वाल्मीकि (22) अपने भाई राजू के साथ किराये के मकान में रहता था। सोमवार की बीती रात को उसने राजू के साथ पैसे को लेकर झगड़ा किया। इसके बाद करन ने अपने कमरे में जाकर पंखे से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच में जुट गई।

बच्ची को गोद दिलाने के नाम पर बेचने वाली नर्स समेत दो गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा जिले के थाना बिसरख पुलिस ने पांच दिन की मासूम बच्ची को गोद दिलाने के नाम पर उसे बेचने के मामले में फरार चल रही अस्पताल की नर्स समेत दो लोगों को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अस्पताल की मालकिन समेत तीन लोगों की पूर्व में गिरफ्तारी हो चुकी हैं, स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल का लाइसेंस निरस्त कर दिया है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के जनसम्पर्क अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि 21 मार्च को चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से थाना एएचटी पर सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना बिसरख क्षेत्र के अंतर्गत स्थित नवजीवन अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों ने एक बच्ची को गोद दिलाने के नाम पर 2 लाख 60 हजार रुपये की मांग की जा रही है। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अस्पताल की मालकिन सहित तीन लोगों को घटना वाले दिन गिरफ्तार किया था। इस मामले में अस्पताल की नर्स पुष्पा रानी और एक युवक अरुण कुमार फरार चल रहा था।उनकी तलाश में पुलिस की टीमें लगी थी। मंगलवार को एक सूचना के बाद बिसरख थाना पुलिस ने नर्स पुष्पा और अभियुक्त अरुण को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नोएडा में करंट लगने से एक व्यक्ति की मौत

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले के थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र में स्थित एक पीजी में बीती रात को एक व्यक्ति को बिजली का करंट लग गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में स्थित एक पीजी में दिनेश यादव (55) पुत्र साहब यादव मूल निवासी जनपद आजमगढ़ बिजली का काम करने के लिए आए थे। काम करते समय उन्हें बिजली का करंट लग गया। उन्हें अत्यंत गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दर्जन भर निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, जांच में सब कुछ सामान्य

नोएडा। नोएडा के दर्जन भर निजी स्कूलों को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी ई-मेल द्वारा दी गई है। सूचना के बाद नोएडा पुलिस और अधिकारी विभिन्न स्कूलों में बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वायड की सहायता से चेकिंग की लेकिन अभी तक कहीं पर कोई आपत्तिजनक वस्तु मिलने की सूचना नहीं है।

अपर पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम मनीषा सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह को नोएडा के रामाज्ञा स्कूल, खेतान पब्लिक स्कूल, फादर एंजल स्कूल सहित दर्जन भर स्कूलों को ई-मेल द्वारा अज्ञात बदमाशों द्वारा धमकी दी गई की स्कूल में बम रखा गया है तथा जल्द ही धमाका होगा। उन्होंने बताया कि स्कूल प्रशासन ने इस बात की सूचना पुलिस को दी।

धमकी भरे मेल आने के बाद नोएडा पुलिस ने विभिन्न स्कूलों में जाकर बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वायड की सहायता से चेकिंग करवाया। क्लास को बंद करवा कर बच्चों को घर भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि कहीं पर कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली है। यह सूचना झूठी पाई गई है। मालूम हो कि इस तरह से पूर्व में भी कई बार स्कूलों में बम होने की सूचना अज्ञात बदमाशों द्वारा दी जाती है। इनके खिलाफ साइबर क्राइम थाने में भी मुकदमा भी दर्ज किया है।

एनसीआर में एक बार फिर बदलेगा मौसम, 26 मार्च को गरज के साथ बारिश का अलर्ट

नोएडा। नोएडा, गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने वाला है। मौसम विभाग ने 26 मार्च को तेज हवाओं, तूफान और बारिश की संभावना जताई है। वहीं, 29 मार्च को भी इसी तरह के मौसम का अनुमान है। इन दिनों तापमान और आर्द्रता में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, वहीं वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भी आंशिक परिवर्तन दर्ज किया गया है। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, 24 मार्च को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिन का अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 16 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। 25 मार्च को मौसम लगभग ऐसा ही रहेगा, जिसमें तापमान 32 से 17 डिग्री और आर्द्रता 70 से 30 प्रतिशत रहेगी। हालांकि, 26 मार्च को मौसम करवट बदलेगा। इस दिन आंशिक बादल छाए रहने के साथ गरज के साथ बारिश (थंडरस्टॉर्म विद रेन) होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 और न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। मौसम विभाग ने इन तीनों दिनों के लिए किसी प्रकार की कोई चेतावनी जारी नहीं की है। दूसरी ओर, वायु गुणवत्ता सूचकांक की बात करें तो दिल्ली के कई इलाकों में हवा की स्थिति 'खराब' से 'बहुत खराब' की श्रेणी में बनी हुई है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, आनंद विहार में एक्यूआई 247 दर्ज किया गया, जो सबसे अधिक रहा। चांदनी चौक में 226, बवाना में 200, आलीपुर में 180, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 171, अशोक विहार में 163, बुराड़ी क्रॉसिंग में 162, कैंटोनमेंट एरिया में 151, सीआरआरआई मथुरा रोड पर 137 और डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में 128 एक्यूआई दर्ज किया गया। नोएडा की बात करें तो यहां सभी चार स्टेशन सक्रिय हैं। सेक्टर-125 में एक्यूआई 240, सेक्टर-116 में 207, सेक्टर-1 में 200 और सेक्टर-62 में 139 दर्ज किया गया। वहीं गाजियाबाद में लोनी सबसे प्रदूषित रहा, जहां एक्यूआई 246 दर्ज किया गया। वसुंधरा में 235, इंदिरापुरम में 198 और संजय नगर में 161 एक्यूआई रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 26 मार्च को होने वाली बारिश और तेज हवाओं से प्रदूषण के कणों में कमी आ सकती है, जिससे एक्यूआई में सुधार होने की संभावना है।

हुनरमंद महिलाओं के लिए दिल्ली में बनेगा 'रानी हाट': सीएम

दिल्ली सरकार ने 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए करीब 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इसमें नवजात शिशुओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच, 1.3 लाख छात्राओं को मुफ्त साइकिल और मेधावी छात्रों के लिए लैपटॉप सहित कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की गई। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिए 'आपात संचालन केंद्र' के अलावा एक नई सेमीकंडक्टर नीति की भी घोषणा की गई। दिल्ली विधानसभा में दूसरी बार बजट पेश करते हुए वित्त मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रही गुप्ता ने इसे "हरित बजट" करार दिया और बताया कि कुल आवंटन का 21 प्रतिशत पर्यावरण संरक्षण पहल के लिए रखा गया है। उन्होंने दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय के देश में तीसरे स्थान पर होने का उल्लेख किया और कहा कि "ट्रिपल इंजन" सरकार के साथ राष्ट्रीय राजधानी तेजी से प्रगति कर रही है।

सरकार ने शिक्षा क्षेत्र के लिए 19,326 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है जो कुल बजट का 18 प्रतिशत है। इसके बाद स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 13,034 करोड़ रुपये, परिवहन के लिए 12,613 करोड़ रुपये, शहरी विकास के लिए 11,572 करोड़ रुपये, सामाजिक कल्याण के लिए 10,537 करोड़ रुपये और जलापूर्ति के लिए 9,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए कई कदमों की भी घोषणा की और कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव से पहले जिस 'महिला समृद्धि योजना' का वादा किया था वह जल्द लागू की जाएगी। इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके लिए जल्द ही पंजीकरण मंच शुरू किया जाएगा। इस बीच, चार विधायकों के निलंबन के विरोध में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों ने बजट प्रस्तुति का बहिष्कार किया। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उनके फैसले की आलोचना की। मुख्यमंत्री ने शहर में धूल-मुक्त सड़कों के विकास के लिए 1,352 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की। इसके तहत 750 किलोमीटर सड़कों की 'एंड-टू-एंड रिकार्पेटिंग' (एक छोर से दूसरे छोर तक पूरी सतह को उखाड़कर या उसके ऊपर डामर की एक नई एवं मजबूत परत बिछाना) की जाएगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी आपदा से निपटने के लिए सरकार 'आपात संचालन केंद्र' स्थापित करेगी। बजट में 74,000 करोड़ रुपये कर राजस्व का अनुमान लगाया गया है, जबकि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के लिए 11,666 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्कूल जाने वाली छात्राओं की आवाजाही में आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार के स्कूलों की नौवीं कक्षा की 1.30 लाख छात्राओं को साइकिल देने के लिए 90 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की।

उन्होंने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के लाभ का उल्लेख करते हुए कहा कि अब इसमें 'ट्रांसजेंडर' समुदाय को भी शामिल किया जाएगा और इसके लिए 202 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्वास्थ्य सेवा को "उपकार" नहीं बल्कि "उपचार" के रूप में देखती है और इस क्षेत्र की विभिन्न परियोजनाओं और पहल के लिए 12,645 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। सरकार 750 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलेगी जिसके लिए 1,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा नवजात शिशुओं के लिए 56 निःशुल्क जांच उपलब्ध कराने को 'एएनएमओएल' (एडवांस्ड न्यूबॉर्न मॉनिटरिंग एंड ऑप्टिमल लाइफकेयर) योजना शुरू की जाएगी। बजट में शिक्षा क्षेत्र के लिए कुल 19,148 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया जिसमें स्कूल भवनों के निर्माण एवं विस्तार के लिए 475 करोड़ रुपये शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार एक सैनिक स्कूल भी खोलेगी और केंद्र सरकार से राष्ट्रीय राजधानी में 10 केंद्रीय विद्यालय स्थापित करने की मांग की जाएगी। उन्होंने घोषणा की कि 2029 तक दिल्ली की संपूर्ण सार्वजनिक बस सेवा को इलेक्ट्रिक बस में बदला जाएगा। इसके लिए परिवहन क्षेत्र के लिए 8,374 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार सेमीकंडक्टर नीति भी लाएगी और इस उद्योग के विकास के लिए शहर में आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित करेगी। बुनियादी ढांचा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के लिए 5,921 करोड़ रुपये और शहरी विकास व आश्रय परियोजनाओं के लिए 7,887 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "हमारा लक्ष्य सुरक्षित सड़कें, जलवायु गलियारे और बेहतर संपर्क व्यवस्था सुनिश्चित करना है।" बिजली विभाग के लिए 3,942 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही 'ओवरहेड' बिजली तारों को भूमिगत करने के लिए 200 करोड़ रुपये अलग से रखे गए हैं। मुख्यमंत्री ने यमुना पार क्षेत्र के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये, जबकि दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड के लिए 787 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बजट भाषण में कहा कि शहर में कर्मचारियों के लिए एकीकृत सचिवालय और आवासीय परिसर भी बनाया जाएगा। पालम आग दुर्घटना का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संकरी गलियों एवं अनधिकृत कॉलोनी के कारण आग बुझाने में कठिनाई होती है।

खेल और युवा विकास पर जोर

- दिल्ली में स्पोर्ट्स होस्टल बनाए जाएंगे, इसके लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- सरकारी स्कूलों के छात्रों को प्राइवेट अकादमियों से जुड़कर बेहतर खेल प्रशिक्षण मिलेगा।
- मुंडका में खेल विश्वविद्यालय का स्थायी परिसर बनेगा।
- नरेला में इंटीग्रेटेड एजुकेशन सिटी विकसित की जाएगी।
- दिल्ली में एक सैनिक स्कूल स्थापित किया जाएगा।
- युवाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।
- प्ले स्कूलों के लिए अलग नीति लाई जाएगी।
- सरकार स्टार्टअप पॉलिसी भी ला रही है, जिससे युवा उद्यमियों को बढ़ावा मिलेगा।
- सीएम रेखा गुप्ता ने सदन में बताया कि केंद्र सरकार से दिल्ली को इस साल 10 नए केंद्रीय विद्यालय देने की मांग भी की है।

समाज कल्याण और बुजुर्गों के लिए

समाज कल्याण विभाग के लिए 392 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। बुजुर्गों के कल्याण के लिए 'वयोआनंद योजना' शुरू की जाएगी, इसके लिए 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

5100 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार सरकार ने महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये देने का वादा किया था। इसके लिए 5100 करोड़ रुपये का बजट प्रविधान किया गया था। उन्होंने बताया कि जल्द ही इस योजना का पोर्टल खोल दिया जाएगा, जिसके माध्यम से पात्र महिलाएं लाभ ले सकेंगी। एक कमेटी ने इस योजना के लिए पात्र महिलाओं के वर्ग की जांच कर रिपोर्ट भी सौंप दी है।

लखपति बिटिया योजना

दिल्ली सरकार ने लखपति बिटिया योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत दिल्ली की हर बेटी के जन्म से लेकर ग्रेजुएशन पूरा करने तक सरकार साथ देगी। ग्रेजुएशन पूरा करने पर बेटी को एक लाख रुपये की राशि दी जाएगी। इस योजना के लिए 128 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

अन्य प्रमुख घोषणाएं

- **महिला हाट:** हुनरमंद महिलाओं को अपनी उत्पाद बेचने के लिए महिला हाट खोले जाएंगे।
- रानी हाट का निर्माण किया जाएगा।
- **मॉडर्न आंगनबाड़ी केंद्र:** पुरानी आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक बनाया जाएगा। इसके लिए 33 करोड़ रुपये का फंड रखा गया है।
- **महिलाओं की सुरक्षा:** डार्क स्पॉट पर नई लाइटें लगाई जाएंगी। इसके लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।
- **सीसीटीवी निगरानी:** दिल्ली में 50,000 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। पुराने कैमरों की मरम्मत भी कराई जाएगी। इस पूरे काम के लिए 225 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।
- **ई-ऑटो परमिट:** महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 1000 ई-ऑटो परमिट मुफ्त में महिलाओं के नाम पर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 100 परमिट ट्रांसजेंडर महिलाओं को भी दिए जाएंगे।
- **सेनेटरी नैपकिन:** स्कूलों में बेटियों के लिए सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन लगाई जाएंगी। सरकार इस साल ढाई करोड़ सेनेटरी नैपकिन मुफ्त बांटने का लक्ष्य रखा है।

संक्षिप्त खबरें

चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला शख्स पत्नी-बहन के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के महरौली इलाके में पत्नी और बहन के साथ मिलकर चोरी करने वाले एक शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपिणों की पहचान करमवीर, उसकी बहन पलक और पत्नी राधिका उर्फ राधा के रूप में हुई है। आरोपितों के कब्जे से 5.2 लाख रुपये के आभूषण विक्री के दस्तावेज समेत अन्य सामान बरामद किए गए हैं। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने मंगलवार को बताया कि 16 मार्च को बंद मकान में चोरी की ई-एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच शुरू की गई। जांच में सामने आया कि पिछले 2-3 महीनों से एक गिरोह दिन के समय बंद घरों को निशाना बना रहा था। इंस्पेक्टर रितेश की देखरेख में पुलिस टीम ने करीब 80-100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी निगरानी के जरिए मुख्य आरोपित करमवीर की पहचान की। 18 मार्च को गुप्त सूचना के आधार पर करमवीर को गिरफ्तार किया गया।

सर्राफा व्यापारी और उसके पिता से 4 लोगों ने की लूटपाट

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में 24 वर्षीय सर्राफा व्यापारी और उसके पिता से चार लोगों ने कथित तौर पर लूटपाट की। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना सोमवार रात साढ़े आठ बजे वेलकम मेट्रो स्टेशन के पास उस दौरान हुई जब शाहदरा निवासी प्रथम बंसल अपने पिता के साथ स्कूटर से घर लौट रहे थे। अधिकारी के अनुसार, चांदनी चौक के कूचा महाजनी में सोने का कारोबार करने वाले बंसल ने बताया कि दूसरे स्कूटर पर सवार दो लोगों ने उनके वाहन को पीछे से टक्कर मारी और फिर उनसे झगड़ने लगे। उन्होंने बताया, "बहस के दौरान, एक एसयूवी में दो और लोग मौके पर पहुंचे और हमलावरों के साथ शामिल हो गए। इसके बाद चारों आरोपियों ने पीड़ितों से सोने की एक चेन और सोने का एक बिस्किट लूट लिया और मौके से फरार हो गए अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने तुरंत संदेश जारी कर संदिग्धों का पीछा शुरू किया।

दिल्ली के बवाना इंडस्ट्रियल एरिया में प्लाईवुड गोदाम में आग से सामान राख

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी दिल्ली के बवाना इंडस्ट्रियल एरिया में मंगलवार तड़के एक प्लाईवुड गोदाम में आग लग गई। इसकी सूचना सुबह करीब 3:55 बजे दमकल विभाग को मिली। दमकल विभाग के अनुसार, आग एन-219, सेक्टर-2 स्थित एक प्लाईवुड गोदाम में लगी। यह गोदाम गंगा टोली मंदिर के पास है। शुरुआती तौर पर तीन वाटर टेंडर, दो वाटर बाउजर और एक क्विक रिस्पांस व्हीकल (क्यूआरवी) को मौके पर भेजा गया। मौके पर पहुंची टीम ने आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए, लेकिन गोदाम में ज्वलनशील सामग्री अधिक होने के कारण आग तेजी से फैल गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दमकल विभाग को लगातार अतिरिक्त गाड़ियां भेजनी पड़ीं। दमकल अधिकारी के अनुसार करीब 4:15 बजे तक आग की तीव्रता बढ़ने पर और दमकल यूनिट्स को मौके पर बुलाया गया। इसके बाद 4:50 बजे तक 7 और गाड़ियों को बुलाया गया । दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर धीरे-धीरे काबू पाया गया। हालांकि आग बुझाने के दौरान एक दमकलकर्मी प्रशांत के हाथ में मामूली चोट लग गई।

विविएमएमसी ने रजत जयंती वर्ष का भव्य शुभारंभ किया

नई दिल्ली (जनभावना टाइम्स)। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (VMMC) ने अपने 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती समारोह का भव्य कर्टेन रेज़र कार्यक्रम आयोजित कर वर्षभर चलने वाले उत्सव की शुरुआत की। यह आयोजन चिकित्सा शिक्षा, शोध और रोगी सेवा में संस्थान की उपलब्धियों का प्रतीक रहा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एल. जी. कृष्णा रहे। इस अवसर पर निदेशक डॉ. कविता रानी शर्मा की उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य डॉ. गीतिका खन्ना द्वारा किया गया। साथ ही मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. चारू बंबा और संस्थान के संस्थापक प्राचार्य डॉ. जगदीश प्रसाद सहित पूर्व प्राचार्य, वरिष्ठ संकाय सदस्य, छात्र-छात्राएं और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे।कार्यक्रम की प्रमुख झलकियों में पूर्व प्राचार्यों, संस्थापक सदस्यों और सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान शामिल रहा, जिनके योगदान ने संस्थान की मजबूत नींव रखी। इस दौरान गणमान्य अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण कर विकास, सततता और निरंतरता का संदेश भी दिया गया। इस मौके पर "25 वर्षों का जश्न – 25 कार्यक्रम" थीम पर आधारित सिल्वर जुबली एकेडमिक कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। इसके अंतर्गत वर्षभर शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें छात्र-नेतृत्व वाले एकेडमिक फेस्ट, विशेषज्ञ व्याख्यान श्रृंखला, महिला चिकित्सा, नवाचार और समग्र स्वास्थ्य जैसे विषयों पर चर्चा, तथा रक्तदान शिविर जैसे सामुदायिक कार्यक्रम शामिल हैं। रजत जयंती समारोह का समापन नवंबर में आयोजित भव्य दीक्षांत समारोह के साथ होगा, जिसमें स्मारक कॉफी टेबल बुक, डॉक्यूमेंट्री, स्मृति पट्टिका और संस्थान के एंथम का लोकार्पण किया जाएगा। प्राचार्य डॉ. गीतिका खन्ना के नेतृत्व में तथा VMMC एलुमनाई एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष की शुरुआत है, जो चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और रोगी सेवा में उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

आरपीएफ की त्वरित मदद से बिहार निवासी महिला की जान बची

नई दिल्ली (जनभावना टाइम्स)। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ (रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स) के जवान एक बार फिर अपनी सेवा भावना का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। मंगलवार सुबह करीब 8:15 बजे प्लेटफार्म नंबर 3 पर एक महिला को गंभीर हालत में देखकर कांस्टेबल भारत लाल मीणा ने आरपीएफ इंस्पेक्टर निलेश कुमार को सूचना देते हुए तुरंत कार्रवाई की।महिला के साथ संजू देवी नाम की एक अन्य महिला ने मदद की गुहार लगाई। कांस्टेबल भारत लाल मीणा ने तुरंत सर्कुलेटिंग ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल विकास तोमर को सूचना दी। दोनों जवान पोस्ट से स्ट्रेचर लेकर महिला के पास पहुंचे। पता चला कि महिला का हाल ही में ऑपरेशन हुआ था, जिसके कारण ब्लीडिंग हो रही थी और उनकी हालत काफी गंभीर थी।रिश्तेदारों के पहुंचने के बाद दोनों आरपीएफ कर्मियों ने महिला को चांदनी चौक साइड गेट नंबर 1 से बाहर निकालकर टैक्सी तक सुरक्षित पहुंचाया, ताकि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया जा सके।पीड़िता महिला मोनिका जिला समस्तीपुर, बिहार की निवासी हैं। उन्होंने आरपीएफ कर्मियों की त्वरित मदद और मानवीय सेवा के लिए दिल से धन्यवाद व्यक्त किया।यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि आरपीएफ के जवान न सिर्फ सुरक्षा बल्कि यात्रियों के संकट की घड़ी में तुरंत मदद का सहारा बनते हैं। उनकी सतर्कता और सेवा भावना ने आज एक जरूरतमंद महिला की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई।

रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता: चलती ट्रेन से चोर को दौड़कर पकड़ा, लेडिस पर्स बरामद

नई दिल्ली(जनभावना टाइम्स)। दिल्ली रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट दिल्ली मेन के जाबांज जवानों ने एक साहसिक कार्रवाई करते हुए चलती ट्रेन से चोरी का सामान लेकर भाग रहे एक व्यक्ति को मिठाई पुल के पास दौड़कर पकड़ लिया। आरोपी के पास से एक बैंगनी रंग का लेडिस पर्स बरामद हुआ, जिसमें ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन, 4,860 रुपये नकद और मेकअप का सामान था।घटना 23 मार्च की है। प्रभारी निरीक्षक निलेश कुमार के निर्देशन में हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार मिठाई पुल पर ड्यूटी पर तैनात थे। अमरपाली एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 15707) के गुजरते समय एक व्यक्ति ट्रेन से अचानक लाइनों में कूदकर भागने लगा। शक होने पर एचसी मुकेश कुमार ने तुरंत पीछा किया और उसे पकड़ लिया।चेकिंग के दौरान आरोपी के पास से लेडिस पर्स मिला। पूछताछ में उसने कबूल किया कि उसने चलती ट्रेन से किसी महिला यात्री का पर्स चुरा लिया था। आरोपी को तुरंत आरपीएफ पोस्ट दिल्ली मेन लाया गया। पर्स में मौजूद मोबाइल पर आने वाले कॉल से असली यात्री से संपर्क स्थापित किया गया और उन्हें बुलाकर सामान सौंपा गया।इसके बाद आरोपी को पुरानी दिल्ली जीआरपी को सुपुर्द कर दिया गया, जहां उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(बी) और 317(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

दिल्ली पुलिस मुख्यालय में स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर आयोजित

नई दिल्ली(जनभावना टाइम्स)। दिल्ली पुलिस वेलफेयर यूनिट द्वारा मंगलवार को पुलिस मुख्यालय, जय सिंह रोड पर स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चला। कार्यक्रम का आयोजन स्पेशल सीपी (वेलफेयर) अतुल कटियार के निर्देशन में किया गया।इस शिविर का आयोजन गाजियाबाद स्थित अवी अस्पताल के सहयोग से किया गया, जिसमें कुल 266 पुलिसकर्मियों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। शिविर का मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था।शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने भाग लिया, जिसमें दो जनरल फिजिशियन, एक फिजियोथेरेपिस्ट और एक डाइटिशियन शामिल थे। सभी पुलिसकर्मियों की विस्तृत स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण जांचें भी की गईं, जिनमें लिवर फंक्शन टेस्ट (LFT), किडनी फंक्शन टेस्ट (KFT), विटामिन B12, विटामिन D3, फाइब्रो स्कैन, HbA1c और TSH शामिल हैं। दिल्ली पुलिस वेलफेयर यूनिट की इस पहल को पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य के प्रति एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है।

दिल्ली-मुंबई से संचालित ठगी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने निवेश के नाम पर ठगी करने वाले बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों ने एक वरिष्ठ नागरिक को "हाई रिटर्न" का झांसा देकर 22.67 लाख रुपये की ठगी की थी। दक्षिण-पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने मंगलवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में तजिंदर सिंह उर्फ लकी, आशीष सैनी, शिव दयाल सिंह, शिवा, गिरिराज किशोर, प्रतिभा उर्फ पायल, सतीश, रामदेव सांगला, प्रवीण कुमावत, दीपक मेवाड़ा और त्रिलोक चंद नायक शामिल हैं। यह गिरोह दिल्ली और मुंबई से संगठित तरीके से साइबर ठगी को अंजाम दे रहा था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार मामला 21 नवंबर 2025 का है, जब 60 वर्षीय ए. श्रीनिवासन ने साइबर थाने में शिकायत दी थी। फेसबुक पर वित्त मंत्री के भाषण का दुरुपयोग कर 'एआई ट्रेडिंग' के नाम पर निवेश का विज्ञापन दिखाया गया। लिंक के जरिए रजिस्ट्रेशन कराने के बाद ठगों ने खुद को निवेश सलाहकार बताकर उनसे संपर्क किया और 'मुद्राओन' व अन्य प्लेटफॉर्म पर निवेश के लिए प्रेरित किया। आरोपितों ने बड़ी कंपनी के नाम पर पैसा ट्रांसफर करवाया और बाद में संपर्क तोड़कर फरार हो गए। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक के नेतृत्व में टीम गठित की गई। जांच के दौरान मनी ट्रेल, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, डिजिटल फुटप्रिंट और तकनीकी निगरानी के जरिए दिल्ली के रोहिणी और नेताजी सुभाष प्लेस में सक्रिय गिरोह का पता चला। पुलिस ने दोनों जगहों पर छापेमारी कर पांच आरोपितों को दबोचा। यहां से फर्जी बैंक खातों के संचालन का पूरा सेटअप मिला। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह फ्रंट ऑफिस और बैकएंड के जरिए 'म्यूल अकाउंट' तैयार कर ठगी के पैसे को अलग-अलग खातों में घुमाता था। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में सामने आया कि ठगी की रकम कई परतों से गुजरकर मुंबई के एक बैंक खाते में पहुंचाई जाती थी। इसके बाद पुलिस ने राजस्थान और मुंबई में कार्रवाई कर चार और आरोपितों को दबोचा। आरोपितों ने बताया कि वे फर्जी खाते तैयार कर उन्हें अन्य साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे, जो कंबोडिया में बैठकर भारतीय नागरिकों को निशाना बनाते थे। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 40 मोबाइल फोन, 92 फर्जी सिम कार्ड, 39 पासबुक/चेकबुक, 27 एटीएम कार्ड, 4 पैन कार्ड, एक लैपटॉप, एक डेस्कटॉप, 2 पीओएस मशीन, 6 यूपीआई स्कैनर, एक प्रिंटर और फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं।

संपादकीय

ईरान का स्टैंड ट्रंप की नई चुनौती

ईरान इस समय भले ही अब तक के सबसे बड़े संकट का सामना कर रहा है। इसके बावजूद अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे संघर्ष को वह लंबा खींचने के पक्ष में है। इस दौरान ईरान को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उसके कई बड़े नेता और सैन्य कमांड ढांचे के अहम लोग खत्म हो चुके हैं। उसकी नेतृत्व क्षमता को गंभीर झटका लगा है। ईरान के अंदरुनी हालात अच्छे नहीं हैं। लोगों को जरूरी सामान भी मुहैया नहीं हो रहा है। बुनियादी ढांचे के नुकसान के साथ सख्त सुरक्षा माहौल भी झेलना पड़ रहा है। इसके बावजूद ईरानी लीडरशिप लगातार आक्रामक बयान दे कर यह दिखाने की कोशिश कर रही है कि ईरान लंबे समय तक संघर्ष झेल सकता है। वह संघर्ष बढ़ा कर बाकी देशों के लिए युद्ध जारी रखना महंगा कर अपनी शर्तों पर समझौता करने को मजबूर कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान से सीजफायर को कह रहे हैं, लेकिन ईरान युद्ध के बाद क्षेत्र में नई व्यवस्था बनाने की रणनीति लागू करवाने के साथ युद्ध के नुकसान की भरपाई भी चाहेगा। पारंपरिक युद्ध के हिसाब से ईरान जीत नहीं रहा है, लेकिन उसे उसी तरह जीतने की जरूरत भी नहीं है। ईरान एक अलग रणनीति अपना रहा है, जिसमें वह युद्ध को इतना महंगा बना देना चाहता है कि सामने वाला देश उसे जारी न रख सके। ईरान के लोकसभा अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ का बयान भी गौरतलब है। उनका कहना है कि युद्धविराम तभी संभव है, जब यह सुनिश्चित हो जाए कि दुश्मन दुबारा हमला नहीं करेगा। अगर युद्धविराम से दुश्मन को अपनी ताकत फिर से तैयार करने का मौका मिलता है, जैसे रडार ठीक करना या मिसाइल सिस्टम मजबूत करना तो ऐसा युद्धविराम बेकार है। ईरान तब तक लड़ाई जारी रखेगा, जब तक दुश्मन अपने हमले पर पछतावा न करे और दुनिया और क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल न बन जाएं। युद्ध के बाद बाद हालात क्या होंगे इस सवाल पर भी दबाव बढ़ रहा है। दो दशकों तक पश्चिमी देशों और ईरान के बीच बातचीत चलती रही, लेकिन पिछले महीने अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमला कर दिया। इस हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई और देश की सैन्य व प्रशासनिक व्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा। इसके जवाब में ईरान ने तेज और लगातार हमले किए। उसने पूरे क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगियों पर सैकड़ों मिसाइल और ड्रोन दागे। इससे खाड़ी देशों के साथ उसके रिश्ते और खराब हो गए और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी प्रतिकूल असर पड़ा। खासकर होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमलों के कारण।

नौकरी की दौड़ में खोती पढ़ाई

हरियाणा में 2019 से 2024 के बीच पांच वर्षों की अवधि में इस परीक्षा की प्रक्रिया अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकी। स्थिति यह रही कि इस दौरान केवल एक ही परीक्षा पूरी तरह संपन्न हो पाई, और उससे जुड़ी कुछ भर्तियां आज भी न्यायिक प्रक्रिया में उलझी हुई हैं। 2024-25 के चक्र में भी अभी तक केवल प्रारंभिक परीक्षा ही आयोजित हो सकी है। जिस धीमी गति से पूरी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह आशंका निराधार नहीं है कि अंतिम परिणाम आने में अभी लंबा समय लग सकता है। लेकिन यह समस्या केवल हरियाणा तक सीमित नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं की स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, कर्नाटक और यहां तक कि पूर्वोत्तर राज्यों में भी भर्ती परीक्षाओं में देरी, पेपर लीक, न्यायिक विवाद और परिणामों में विलंब जैसी समस्याएं लगातार सामने आती रही हैं। कई राज्यों में परीक्षाएं वर्षों तक आयोजित ही नहीं होतीं, और जब होती हैं तो उनकी प्रक्रिया इतनी लंबी होती है कि उम्मीदवारों की उम्र और धैर्य दोनों की परीक्षा लेने लगती है।

- डॉ. प्रियंका सौरभ

आज का युवा एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां अवसरों की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन अवसरों तक पहुंचने का रास्ता पहले से कहीं अधिक जटिल और प्रतिस्पर्धात्मक हो गया है। विशेष रूप से सरकारी नौकरियों के क्षेत्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की बढ़ती संख्या, उनकी लंबी प्रक्रियाएं और अनिश्चित परिणामों ने छात्रों और अभिभावकों दोनों को गहरी दुविधा में डाल दिया है। सीईटी (सामान्य पात्रता परीक्षा) को इसी संदर्भ में एक बड़ी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन बीते वर्षों के अनुभव इस उम्मीद पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं।

हरियाणा में 2019 से 2024 के बीच पांच वर्षों की अवधि में इस परीक्षा की प्रक्रिया अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकी। स्थिति यह रही कि इस दौरान केवल एक ही परीक्षा पूरी तरह संपन्न हो पाई, और उससे जुड़ी कुछ भर्तियां आज भी न्यायिक प्रक्रिया में उलझी हुई हैं। 2024-25 के चक्र में भी अभी तक केवल प्रारंभिक परीक्षा ही आयोजित हो सकी है। जिस धीमी गति से पूरी प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह आशंका निराधार नहीं है कि अंतिम परिणाम आने में अभी लंबा समय लग सकता है।

लेकिन यह समस्या केवल हरियाणा तक सीमित नहीं है। देश के लगभग सभी राज्यों में सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं की स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, कर्नाटक और यहां तक कि पूर्वोत्तर राज्यों में भी भर्ती परीक्षाओं में देरी, पेपर लीक, न्यायिक विवाद और परिणामों में विलंब जैसी समस्याएं लगातार सामने आती रही हैं। कई राज्यों में परीक्षाएं वर्षों तक आयोजित ही नहीं होतीं, और जब होती हैं तो उनकी प्रक्रिया इतनी लंबी होती है कि उम्मीदवारों की उम्र और धैर्य दोनों की परीक्षा लेने लगती है।

इसका सबसे बड़ा असर युवाओं के मानसिक, शैक्षणिक और सामाजिक जीवन पर पड़ता है। हर वर्ष लाखों छात्र स्नातक होकर रोजगार की तलाश में निकलते हैं, लेकिन उपलब्ध सरकारी पदों की संख्या बेहद सीमित रहती है। उदाहरण के तौर पर, यदि पूरे देश में लाखों अभ्यर्थी किसी एक परीक्षा में बैठते हैं, तो चयनित होने वालों की संख्या हजारों में ही सिमट जाती है। ऐसे में केवल सरकारी नौकरी को ही अंतिम लक्ष्य मान लेना और उसी पर निर्भर रहना एक अत्यंत जोखिमपूर्ण निर्णय बन जाता है।

इस पूरे परिदृश्य का सबसे चिंताजनक पहलू "नॉन-अटेंडिंग" कल्चर का तेजी से फैलना है। देश के लगभग हर राज्य में यह प्रवृत्ति देखी जा रही है कि छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के नाम पर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों की नियमित कक्षाओं से दूरी बना लेते हैं। वे यह मान लेते हैं कि सफलता पाने के लिए उन्हें पूरी तरह से पारंपरिक शिक्षा प्रणाली से अलग होना होगा। लेकिन यह सोच धीरे-धीरे उनके भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो रही है। वास्तव में, कॉलेज जीवन केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं होता। यह वह समय होता है जब एक छात्र का बौद्धिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास होता है। कक्षा में भागीदारी, शिक्षकों से संवाद, समूह चर्चा, प्रस्तुतियां और सह-पाठयक्रम गतिविधियां—ये सभी मिलकर एक व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती हैं। जब छात्र इन सभी से दूर हो जाते हैं, तो वे केवल विषय ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवन के आवश्यक कौशलों से भी वंचित रह जाते हैं। नॉन-अटेंडिंग कल्चर का एक और गंभीर दुष्प्रभाव यह है कि छात्रों की शैक्षणिक नींव कमजोर हो जाती है। वे विषयों को गहराई से समझने के बजाय केवल परीक्षा पास करने तक सीमित रह जाते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में असफल होने के बाद उनके पास न तो मजबूत अकादमिक रिकॉर्ड होता है और न ही कोई वैकल्पिक करियर विकल्प। परिणामस्वरूप वे आत्मविश्वास खो बैठते हैं और मानसिक तनाव का शिकार हो जाते हैं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि आज का समय तकनीकी रूप से अत्यंत उन्नत है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। देश के हर कोने में ऑनलाइन कोचिंग, वीडियो लेक्चर, डिजिटल नोट्स, टेस्ट सीरीज और वर्चुअल क्लासरूम की सुविधा उपलब्ध है। ऐसे में यह कहना कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कॉलेज छोड़ना आवश्यक है, पूरी तरह से गलत धारणा है। छात्र अपनी नियमित पढ़ाई के साथ-साथ भी प्रभावी ढंग से तैयारी कर सकते हैं। यदि एक संतुलित और व्यावहारिक रणनीति अपनाई जाए, तो छात्र अपनी स्नातक शिक्षा के तीन वर्षों का सर्वोत्तम उपयोग कर सकते हैं। प्रथम वर्ष में उन्हें अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए सामान्य ज्ञान, समाचार पत्रों और समसामयिक घटनाओं से जुड़ना चाहिए। यह उनकी बौद्धिक नींव को मजबूत करता है। द्वितीय वर्ष में वे गणित, रीजनिंग और भाषा जैसे विषयों पर अपनी पकड़ मजबूत कर सकते हैं। साथ ही, एनसीईआरटी की पुस्तकों के माध्यम से अपनी मूलभूत अवधारणाओं को स्पष्ट कर सकते हैं। अंतिम वर्ष तक पहुंचते-पहुंचते उन्हें यह स्पष्ट निर्णय लेना चाहिए कि वे उच्च शिक्षा की ओर बढ़ना चाहते हैं या प्रतियोगी परीक्षाओं की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

देश के विभिन्न राज्यों में उच्च शिक्षा और निजी क्षेत्र के अवसर भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आईटी, मैनेजमेंट, हेल्थकेयर, स्टार्टअप्स, स्किल-बेस्ड जॉब्स और फ्रीलांसिंग जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए नए दरवाजे खुल रहे हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि छात्र केवल सरकारी नौकरियों तक ही अपने विकल्प सीमित न रखें, बल्कि अपने कौशल और रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशें। अभिभावकों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। अक्सर देखा जाता है कि बच्चे अपने दोस्तों या समाज के दबाव में आकर नॉन-अटेंडिंग रहने का निर्णय लेते हैं और अभिभावक उन पर भरोसा करके उन्हें इसकी अनुमति दे देते हैं। लेकिन यह आवश्यक है कि अभिभावक इस निर्णय के दीर्घकालिक प्रभावों को समझें और अपने बच्चों को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करें। केवल एक परीक्षा या एक करियर विकल्प पर निर्भर रहना समझदारी नहीं है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में सफलता उन्हीं को मिलती है, जो लचीलापन अपनाते हैं और अपने लिए कई विकल्प खुले रखते हैं। एक छात्र के लिए यह आवश्यक है कि वह अपनी शैक्षणिक योग्यता को मजबूत बनाए, साथ ही कौशल विकास पर भी ध्यान दे। संचार कौशल, तकनीकी दक्षता, समस्या समाधान क्षमता और आत्मविश्वास—ये सभी गुण उसे जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायता करते हैं।

अंततः यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि सीईटी (सामान्य पात्रता परीक्षा) या कोई भी प्रतियोगी परीक्षा केवल एक अवसर है, न कि जीवन का अंतिम लक्ष्य। इसे जीवन का एक हिस्सा मानकर चलना चाहिए, न कि संपूर्ण आधार। यदि छात्र अपनी पढ़ाई, कौशल और व्यक्तित्व विकास पर समान रूप से ध्यान दें, तो वे न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

समय की मांग यही है कि हम एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं—जहां तैयारी भी हो और शिक्षा भी, लक्ष्य भी हो और विकल्प भी। तभी हमारे युवा न केवल नौकरी की दौड़ में सफल होंगे, बल्कि एक मजबूत, आत्मनिर्भर और जागरूक नागरिक के रूप में देश के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगे।

नक्सल मुक्त भारत की संकल्पना होने लगी साकार

विक्रम उपाध्याय

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारत को नक्सल-मुक्त बनाने की समय सीमा 31 मार्च 2026 तय की थी। इसलिए यह जानना जरूरी है कि क्या सचमुच सरकार ने इतनी बड़ी सफलता हासिल कर ली है? क्या अब नक्सल हिंसा में किसी नागरिक को बेवजह जान नहीं गंवानी पड़ेगी? यह कहने में अब किसी को संकोच नहीं होना चाहिए कि भारत सचमुच वामपंथी उग्रवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में ऐतिहासिक सफलता हासिल कर चुका है। आंकड़े इसके गवाह हैं। जहां 2014 में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, वह 2025 के अंत तक घटकर सिर्फ तीन ही रह गई और उनमें भी कोई बड़ा नक्सली नेता जीवित या सक्रिय नहीं बचा। यानी नक्सल हिंसा से मुक्ति की संकल्पना सच होने लगी है।

एक समय था जब छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और बिहार समेत आधा दर्जन राज्यों में रेड कॉरिडोर स्थापित था। जहां से नक्सली बड़े बड़े हिंसक अभियान चलाते थे। लेकिन 2014 के बाद शुरू हुए नक्सल उन्मूलन अभियान ने तस्वीर बदल कर रख दी है। एक दशक से भी कम समय में नक्सल प्रभावित इलाकों में 600 से ज्यादा नए और आधुनिक पुलिस थाने बनाए गए हैं और हर जगह आसानी से सुरक्षा बलों को पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे तैयार किए गए हैं। लेकिन जो नक्सली हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटने के लिए तैयार हुए, उन्हें आत्मसमर्पण के लिए सम्मानजनक जीवन के विकल्प भी दिए गए । उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लोगों के लिए विकास और सुरक्षा की योजनाएं ईमानदारी से लागू की गई हैं और और जिन अतिवादियों ने फिर भी हिंसा का मार्ग नहीं छोड़ा, उनके सफाए के लिए सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) को पूर्ण अधिकार दे दिया गया।

सुरक्षा बलों को जब ऑपरेशन वाले क्षेत्र के नक्शे, हेलीकॉप्टर और अन्य सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए गए तो कुछ समय बाद ही नक्सलियों की बादशाहत खत्म होने लगी। घात लगाकर हमलों और छापों के जरिए निर्दोष लोगों को मारने वाले नक्सली खुद को बचाने में ही परेशान होने लगे। सबसे बड़ी बात यह रही कि नक्सल विरोधी अभियानों में नियमित सैनिकों को शामिल नहीं किया गया। इतिहास की बात करें तो 60 के दशक में नक्सल आंदोलन का जन्म बंगाल में आदिवासियों के खिलाफ पुलिस और जमींदारों के बीच संघर्ष के कारण हुआ, लेकिन जब पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ़ चाइना के नेता माओ जेडोंग इस आंदोलन के वैचारिक केंद्र बन गए तो इसका स्वरूप भारतीय सरकारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में बदल गया। नक्सलियों के लिए हथियार पश्चिम बंगाल में ही बनाए जाने लगे। कोलकाता का प्रेसीडेंसी कॉलेज नक्सलवाद का गढ़ बन गया। फिर सान्याल और मजूमदार के गुट वाली वामपंथी पार्टी ने हिंसक क्रांति का मार्ग चुना और भारतीय राज्य की नींव को ही उखाड़ फेंकने का विचार फैलाया । बाद में कुछ राजनीतिक पार्टियां भी सत्ता के लिए नक्सलियों का इस्तेमाल करने लगीं।

वर्ष 2004 में जब पीपुल्स वार ग्रुप और माओइस्ट कॉम्युनिस्ट सेंटर का विलय हुआ तो हिंसा उन इलाकों में भी फैल गई जहां पहले शांति थी। भारतीय सत्ता के खिलाफ लगातार हिंसक संघर्ष देखा गया। छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा नक्सल गतिविधियों का एक बहुत बड़ा केंद्र बन गया। वर्ष 2010 में 76 सी आरपीएफ जवानों का कत्ल हुआ तो 2012 में छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के कलेक्टर का अपहरण हो गया और फिर 2013 में सलवा जुडूम शुरू करने वाले महेंद्र कर्मा समेत कई बड़े नेताओं और सुरक्षा कर्मियों की हत्या नक्सलियों ने कर दी।

लेकिन 2014 में अपनी सरकार बनाने से पहले ही नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की धरती से ही यह ऐलान कर दिया कि धरती को लाल करने का नारा देने वाले या तो धरती को हरा-भरा करने के उद्देश्य के साथ मुख्यधारा में लौट आएं या फिर आरपार की लड़ाई के लिए तैयार हो जाएं। जब गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने जिम्मेदारी संभाली तो तय हो गया कि अब भारत वामपंथी उग्रवाद को सहन नहीं करेगा और इसे पूरी तरह से खत्म करने का अभियान शुरू किया जाएगा। इसके लिए 31 मार्च, 2026 की समय सीमा तय की गई और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ स्पष्ट रणनीति बनाई गई। माओवादी हिंसा के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस' की दृढ़ नीति बनाकर इसे व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का हिस्सा बना दिया गया। गृह मंत्रालय के नेतृत्व में केंद्र और राज्यों के बीच समन्वित अभियान शुरू किए गए और एक मजबूत खुफिया तंत्र विकसित किया गया। शीर्ष माओवादी नेतृत्व के मूवमेंट के बारे में रियल टाइम की सूचनाएं प्राप्त कर उनको खत्म किया जाने लगा। जो आत्मसमर्पण करना चाहते थे उन्हें पुनर्वास का विकल्प दिया गया। ऑपरेशन इतना सटीक चलाया गया कि 2025 तक, नक्सलवाद के नेतृत्व को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया। गृहमंत्री अमित शाह ने अभी हाल ही में फिर दावा किया कि मार्च के अंत तक भारत नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।

सरकार के दावे को नकारा नहीं जा सकता। नक्सली उग्रवाद पर लगाम के जो आकड़े उपलब्ध हैं, उससे यह निष्कर्ष निकलता है कि केंद्र और प्रभावित राज्यों ने मिलकर छह दशक से भी पुराने इस हिंसक आंदोलन को पहली बार पूरी तरह से कुचलने में कामयाब हुए हैं। 2014-24 के बीच हिंसक घटनाओं में भारी कमी आई। नक्सलियों के हाथों सुरक्षा बलों के मारे जाने की घटनाओं में लगभग 73 प्रतिशत और नागरिकों की मौतों में लगभग 70 प्रतिशत की सीधी कमी देखी गई। अब केवल छत्तीसगढ़ के तीन जिलों के कुछ हिस्सों में ही नक्सलियों की उपस्थिति सीमित रह गई है और उन्हें भी नक्सल मुक्त करने का अभियान जारी है।

कई राज्यों ने तो आधिकारिक तौर पर खुद को नक्सल-मुक्त घोषित कर दिया है। बिहार और मध्य प्रदेश इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। माओवादी नेता देवूजी के आत्मसमर्पण के बाद तेलंगाना भी अब नक्सल मुक्त हो चुका है। नक्सल कैडर अब किस तरह से हताश हो चुके हैं, वे इन आकड़ों से पता चलता है कि अकेले 2024-25 में ही लगभग 2,900 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया और 1,900 से अधिक की गिरफ्तारियां हुईं। यही नहीं 600 से अधिक माओवादियों को मुठभेड़ में खत्म भी किया गया। पांच, दस नहीं, बल्कि 28 शीर्ष माओवादी नेताओं को भी खत्म कर दिया गया। जिनमें माओवादी वाम महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू, केंद्रीय समिति के सदस्य पतिराम मांझी और गणेश उइके जैसे बड़े नक्सली नेता शामिल हैं।

केंद्र सरकार ने एक तरफ सख्त सुरक्षा अभियान और कोइ ढिलाई नहीं की नीति अपनाई वहीं, विकास के वृहद कार्यक्रम चलाए और सबके पसंद के पुनर्वास प्रोग्राम भी शुरू किये। इस रणनीति के कारण ही स्थानीय लोगों का माओवादी नेताओं से मोहभंग हुआ और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने में सफलता हासिल हुई।

धर्म के मार्ग पर चाहिए धैर्य

परमात्मा की उपलब्धि के लिए धैर्य बहुत जरूरी है। प्रभु को पाना चाहते हैं तो प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। हो सकता है कई जन्मों की प्रतीक्षा करनी पड़े। अगर आपने धैर्य खोया तो फिर सारा खेल खत्म। प्रभु को पाने की चाह में आपको समय की सीमा से परे हो जाना होगा। और जब आप समय की सीमा को भूल जाते हैं, परमात्मा का साक्षात्कार उसी समय हो जाता है। व्यक्ति धर्म के मार्ग पर गया है, उसने अनंत की फसल काटनी चाही है। उतना ही धैर्य भी चाहिए। धैर्य का अर्थ यह है कि तुम अपेक्षा मत करना। धैर्य का अर्थ यह है- कब होगा, यह मत पूछना। जब होगा, उसकी मर्जी। जब हो जाएगा, तब स्वीकार है। अनंत काल व्यतीत हो जाएगा तो भी तुम यह मत कहना कि मैं इतनी देर से प्रतीक्षा कर रहा हूं, अभी तक नहीं हुआ! एक बड़ी पुरानी हिंदू कहानी मुझे बहुत प्रीतिकर रही है कि नारद स्वर्ग जा रहे हैं। और उन्होंने एक बूढ़े संन्यासी से पूछा, कुछ खबर-वबर तो नहीं पूछनी है? तो उस बूढ़े संन्यासी ने कहा कि परमात्मा से मिलना हो तो जरा पूछ लेना कि कितनी देर और है, क्योंकि मैं तीन जन्मों से साधना कर रहा हूं! वह बड़ा पुराना तपस्वी था। नारद जी ने कहा, जरूर पूछ लूंगा। उसके ही पास एक दूसरे वृक्ष के नीचे एक नवयुवक बैठा हुआ अपना एकतारा बजा रहा था। गीत गा रहा था। नारद ने सिर्फ मजाक में उससे पूछा कि क्यों भाई, तुम्हें भी तो कोई बात नहीं पुछवानी है भगवान से? मैं जा रहा हूं स्वर्ग। वह अपना गीत ही गाता रहा। उसने नारद की तरफ आंख उठा कर भी न देखा। नारद ने उसको हिलाया तो उसने कहा कि नहीं, उसकी कृपा अपरंपार है। जो चाहिए, वह मुझे हमेशा मिला ही हुआ है। कुछ पूछना नहीं है। मेरी तरफ से उसे कोई तकलीफ मत देना। मेरी बात ही मत उठाना, मैं राजी हूं। और सभी मिला हुआ है। बन सके तो मेरी तरफ से धन्यवाद दे देना। नारद वापस लौटे। उस बूढ़े संन्यासी को जाकर कहा कि क्षमा करना भाई! मैंने पूछा था वह। उन्होंने कहा कि वह बूढ़ा संन्यासी जिस वृक्ष के नीचे बैठा है, उसमें जितने पत्ते हैं, उतने ही जन्म अभी और लगेंगे। बूढ़ा तो बहुत नाराज हो गया। वह जो पोथी पढ़ रहा था, फेंक दी, माला तोड़ दी, गुस्से में चिल्लाया कि हद हो गयी! अन्याय है। यह कैसा न्याय? तीन जन्म से तप कर रहा हूं, कष्ट पा रहा हूं, उपवास कर रहा हूं, अभी और इतने? यह नहीं हो सकता।

आज का इतिहास

1655 - शनि के सबसे बड़े उपग्रह टाइटन की खोज हुई।
1788 - किसी भारतीय भाषा बांग्ला में पहला विज्ञापन कलकत्ता गजट में प्रकाशित हुआ।
1807 - ब्रिटिश साम्राज्य से दास प्रथा का अंत।
1821 - ग्रीक स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत।
1896 - यूनान की राजधानी एथेंस में आधुनिक ओलंपिक खेलों की शुरुआत।
1898 - सिस्टर निवेदिता को स्वामी विवेकानंद ने ब्रह्मचर्य की दीक्षा दी।
1965 - नागरिक अधिकारों के लिए संघर्षरत मार्टिन लूथर किंग जूनियर का चार दिवसीय मार्च संपन्न।
1983 - दुनिया के सबसे आधुनिक समुद्र विज्ञान शोध पोत सागर कन्या का जलावतरण।
1986 - देश की पहली विशेष दुग्ध ट्रेन आनंद से चलकर कलकत्ता पहुंची।
1987 - दक्षेस (सार्क) देशों का स्थायी सचिवालय नेपाल की राजधानी काठमांडू में खोला गया।
1989 - भारत का पहला सुपर कंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किया गया. एक्स-एमपी-14 को अमेरिका द्वारा तैयार किया गया था।
1995 - विख्यात मुक्केबाज माइक टायसन तीन साल की कैद के बाद जेल से रिहा।
1999 - भारत द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों के आठ वर्गों को वीसा मामले में छूट देने की घोषणा।
2002 - उत्तरी अफगानिस्तान के हिंदू कुश क्षेत्र में 6.1 की तीव्रता के भूकंप ने भारी तबाही मचाई. 1000 से ज्यादा लोगों की मौत.
2003 - सद्दाम नहर और फरात पुल पर इराक का कब्जा। पहले पोर्टेबल कम्प्यूटर बनाने वाले एडम ओस्बोर्न का देहांत।
2005 - संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सूडान के लिए शांति सेना की मंजूरी दी।
2007 - टीम इंडिया विश्वकप क्रिकेट से बाहर।
2008 - टाटा ग्रुप की पुणे स्थित फर्म 'कम्प्यूटेशन रिसर्च लैबरटरीज' ने इंटरनेशनल फर्म 'याहू' से गठजोड़ किया।
2008 - अंतरिक्ष यान एंडेवर सफलतापूर्वक अपने मिशन को अंजाम देने के बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से रवाना हुआ।

बदल गया है दिल्ली का राजनीतिक भूगोल

मनोज कुमार मिश्र

बांग्लादेश की सीमा से लगे राज्यों- त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, असम और बिहार इत्यादि राज्यों की तरह दिल्ली का भी राजनीतिक समीकरण पिछले कुछ सालों में बेहिसाब बदल गया है। इसी का परिणाम है कि चुनाव जीतने के हर तरकीब अपनाने के बावजूद 27 साल बाद पिछले साल फरवरी में हुए विधानसभा चुनाव में करीब तीन फीसदी के अंतर से भाजपा चुनाव जीत पाई। सीटों में काफी अंतर रहा। 70 सदस्यों वाली विधानसभा में भाजपा को 48 और दस साल से प्रचंड बहुमत से सरकार में काबिज आम आदमी पार्टी(को 22 सीटें मिली। यह साबित हो चुका है कि बिहार से सीमांचल में मुस्लिम आबादी इतनी ज्यादा हो गई कि भाजपा की जीत तभी हो पाई जब एआईएआईएम जैसी मुस्लिम पार्टी ने पांच सीटें जीतीं और कई सीटों पर अच्छी संख्या में वोट हासिल पर पाई। यही स्थिति असम में भी पिछले चुनाव में हुई। दिल्ली में 2011 की जनगणना के हिसाब से मुस्लिम आबादी 15 फीसदी हैं। उससे पहले उनका औसत 12 फीसदी था। अब जब भी जनगणना होगी इसमें और बढ़ोतरी होना तय सा है।

आजादी के बाद से दिल्ली की आबादी का अनुपात या यूं कहें तो जातीय समीकरण बदलता रहा है। आजादी के बाद बड़ी संख्या में पाकिस्तान से हिंदू और सिख दिल्ली आए। उनमें कांग्रेस का भी समर्थन करने वालों की संख्या थी लेकिन ज्यादातर जनसंघ (आज की भाजपा) के समर्थक थे। यह मान लिया गया था कि पाकिस्तान से आए विस्थापित, सरकारी कर्मचारी, सवर्ण हिंदू और वैश्य इत्यादि जनसंघ के और दिल्ली देहात के गांव के रहने वाले, पुरानी दिल्ली के मुसलमान और गरीब बस्तियों में रहने वाले कांग्रेस के समर्थक होते हैं। दिल्ली में शुरू से ही रोजगार, कारोबार और पढ़ाई करने के लिए बड़ी संख्या में लोग आते रहा हैं। अपना समर्थन बढ़ाने के लिए कांग्रेस की केन्द्र सरकार ने इमरजेंसी में अनेक पुनर्वास कालोनियां बसाईं और उस इलाके से कांग्रेस लगातार जीतती रही। 1982 के एशियाड खेलों के आयोजन में बड़े पैमाने पर दिल्ली में निर्माण हुए। उसके लिए बाहर से मजदूर आए और फिर बाहर से आने वालों का सिलसिला बढ़ता गया। माना गया कि दिल्ली की स्वाभाविक आबादी में होने वाली बढ़ोतरी के साथ-साथ हर साल करीब पांच साल अतिरिक्त आबादी दिल्ली में जुड़ जाती है। इसी की आड़ में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी दिल्ली में भी घुसपैठ करके वोट और नोट की राजनीति में दिल्ली के नागरिक बनते जा रहे हैं। उन्होंने कई नए इलाकों को मुस्लिम बहुल बना दिया है।

यह आबादी पहले आंख मूंदकर भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस को वोट करती रही। मुस्लिम आबादी के चक्कर में भाजपा के नेता झुग्गी और अनधिकृत कालोनियों में रहने वालों का विरोध करके एक बड़ वर्ग को अपना विरोधी बना लिया। पहले यह वर्ग कांग्रेस के साथ था, आप ने राजनीति ही इन्हीं लोगों को अपने पक्ष में करने से किया। उनका हर तरह से समर्थन करने के साथ-साथ आप ने मुफ्त की रेवड़ियां बांटी। कांग्रेस के नेता छुप-छुपाकर इनका समर्थन करते थे, आआपा के शीर्ष नेता अरविंद केजरीवाल समेत हर नेता इन घुसपैठियों का खुलेयाम समर्थन करते हैं। उल्टे-सीधे प्रयासों से आआपा ने कांग्रेस के समर्थक माने जाने वाले कमजोर वर्गों, अल्पसंख्यक और पूर्वांचल(पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड आदि के मूल निवासी) के प्रवासियों को अपना स्थाई वोटर बना लिया। 2013 के विधानसभा चुनाव में दिल्ली के अल्पसंख्यकों ने गलतफहमी में कांग्रेस के वोट दिया। तब उन्हें लगा कि भाजपा को कांग्रेस हरा रही है। उसके बाद के दोनों विधानसभा चुनावों में इस वर्ग ने आप को वोट किया। आप रिकार्ड सीटों से सत्ता में रही।

आजादी के समय मुस्लिम आबादी पुरानी दिल्ली तक सिमटी हुई थी। जामिया मिल्लिया इस्लामिया बनने के काफी सालों बाद जामिया के आस-पास के नए और पुराने मोहल्ले मुस्लिम आबादी वाले हुए। बल्कि 2019 में नागरिक संशोधन एक्ट (सीएए) लागू किए जाने के खिलाफ सबसे बड़ा आंदोलन उसी इलाके के शाहीन बाग में 15 दिसंबर, 2019 से 8 फरवरी,2020 तक चला। उस कानून में पड़ोसी देशों में रहने वाले हिंदू, सिख, बौध, जैन, पारसी और ईसाई को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया था। कहा जा रहा था कि विरोध सीएए लागू होने से ज्यादा यूनिफार्म सिविल कोड (यूसीसी) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर(एनआरसी) लागू किए जाने से रोकने के लिए किया गया था। उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला पहली राज्य बन गया है। इन दोनों को देश भर में कब लागू किया जाएगा कहा नहीं जा सकता है।

दिल्ली में पहले विधानसभा की चार सीटें ऐसी थीं जहां मुस्लिम आबादी 20 फीसदी से ज्यादा थी। पहले मुस्लिम आबादी का औसत दस फीसदी से नीचे थी। 2001 में 12 फीसदी हुआ और 2011 में यह 12 से बढ़कर अब 15 फीसद से ज्यादा हो गई है। नई जनगणना में यह और बढ़ने की संभावना है। 70 में से 17 सीटें ऐसा हैं जहां मुस्लिम मतदाता 20 फीसद से ज्यादा हैं। इनमें सीलमपुर, मटिया महल, बल्लीमरान, ओखला, मुस्तफाबाद, किराड़ी, चांदनी चौक, गांधीनगर, करावल नगर, विकास पुरी, ग्रेटर कैलाश, कस्तूरबा नगर, बाबरपुर, मोतीनगर, मालवीय नगर, सीमापुरी और छत्तरपुर शामिल हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। इस बदले अनुपात के चलते ही अनुसूचित जाति का औसत 18 से घटकर 17 हो गया। इसके चलते अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 13 से घट कर 12 हो गई। दिल्ली के 70 में से 42 सीटों पर पूरबियों (पूर्वांचल के प्रवासी) का वोट 20 फीसद से ज्यादा है। इसके चलते पिछले कई चुनावों से पूरबिए नेताओं को दिल्ली की राजनीति में महत्व मिलने लगा। सबसे पहले बिहार मूल के महाबल मिश्र को कांग्रेस ने पहले विधायक और सांसद का टिकट दिया। उसके बाद भाजपा ने भोजपुरी के लोकप्रिय कलाकार मनोज तिवारी को सांसद और प्रदेश का अध्यक्ष बनाया। 2020 के विधानसभा चुनाव के लिए पहले बिहार मूल के नेता कीर्ति आजाद को प्रदेश अध्यक्ष बनाना तय किया गया।

वे पहले भाजपा के दिल्ली से विधायक और बिहार से सांसद थे। अचानक कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता सुभाष चोपड़ा को अध्यक्ष और आजाद को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बना दिया गया। गुटबाजी में आजाद अलग-थलग हो गए, उन्हें दिल्ली कांग्रेस दफ्तर में नियमित बैठने के लिए कमरा तक नहीं दिया गया। बाद में चुनाव नतीजों के बाद उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी और तृणमूल कांग्रेस में शामिल होकर लोकसभा के सदस्य बन गए। 2020 के विधानसभा चुनाव के कुछ समय बाद कांग्रेस के पूर्वांचल के सबसे लोकप्रिय चेहरा रहे पूर्व सांसद महाबल मिश्र भी कांग्रेस छोड़कर आआपा में शामिल हो गए। इस बार आआपा ने उन्हें पश्चिमी दिल्ली से लोक सभा उम्मीदवार बनाया। उनके पुत्र विनय मिश्र पहले से ही आआपा में शामिल होकर विधायक बने। इस बार वे भी पराजित हुए। पुरबिए वोट तो प्रयास करने से कम-ज्यादा भाजपा को मिलते रहे हैं और भविष्य में भी मिलेंगे। उत्तराखंड के प्रवासियों का लगातार समर्थन भाजपा को मिलता रहा है। उसमें कम विभाजन हुआ है। इसके अलावा भाजपा को परंपरागत वोट भी मिलते रहे हैं, अब समीकरण बदल गए हैं और लगातार बदलते जाएंगे। दिल्ली विधानसभा पिछले कई चुनावों में भाजपा केवल इसलिए हार रही थी कि उसके खिलाफ वोट करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

प. एशिया पर भारत की पैनी नज़र, ऊर्जा आपूर्ति सामान्य नागरिकों की सुरक्षित वापसी जारी: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इज़रायल और ईरान में बीच जारी जंग एवं तेजी से बदलती परिस्थितियों पर भारत की पैनी नज़र है और सरकार देश में ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्त्रोतों की विविधता बढ़ाने के साथ ही खाड़ी देशों में फंसे भारतीय नागरिकों की वैकल्पिक मार्गों से सुरक्षित वापसी पर गंभीरता पूर्वक काम कर रही है।

पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर मंगलवार को अंतर-मंत्रालयी संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी घटनाक्रम पर भारत सरकार लगातार नजर बनाए हुए है और ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अब तक करीब सवा चार लाख भारतीय स्वदेश लौट चुके हैं। प्रवक्ता ने कहा कि विदेश मंत्री ने हाल ही में अमेरिकी विदेश मंत्री और श्रीलंका के अपने समकक्ष के साथ बातचीत कर क्षेत्रीय स्थिति, उसके वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव और ऊर्जा सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की है। जायसवाल ने जानकारी दी कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के राजदूतों के साथ बैठक कर मौजूदा स्थिति पर विचार-विमर्श किया और क्षेत्र में रह रहे भारतीय समुदाय को दिए जा रहे सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति और 'विजन महासागर' के तहत क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (खाड़ी) असीम महाजन ने कहा कि पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों से भारत के लिए उड़ानों का संचालन जारी है।

उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लगभग 85 उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है, जबकि ओमान और सऊदी अरब से भी नियमित उड़ानें जारी हैं। कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है, जहां से सीमित संख्या में उड़ानें संचालित की जा रही हैं। हालांकि, कुवैत और बहरीन का हवाई क्षेत्र फिलहाल बंद है। महाजन ने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जा रहा है। ईरान से भारतीयों को आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते लाया जा रहा है, जबकि इज़राइल से जॉर्डन के माध्यम से वापसी कराई जा रही है। कुवैत, बहरीन और इराक से यात्रा प्रभावित होने के कारण सऊदी अरब के जरिए भी नागरिकों की वापसी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक 4.20 लाख से अधिक भारतीय नागरिक सुरक्षित स्वदेश लौट चुके हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव (मार्केटिंग एवं ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने कहा कि देशभर में सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं और पेट्रोल एवं डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में खरीदारी से बचें।

उन्होंने बताया कि हाल ही में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को निर्देश दिया है कि जहां पाइपलाइन अवसंरचना उपलब्ध है, वहां पांच दिनों के भीतर आवासीय स्कूलों, कॉलेजों, छात्रावासों, सामुदायिक रसोई और आंगनवाड़ी केंद्रों को पीएनजी कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। एलपीजी आपूर्ति के संबंध में उन्होंने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण कुछ प्रभाव पड़ा है, लेकिन पर्याप्त कार्गो लाइन में हैं और किसी भी वितरक के पास कमी की स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि हाल में कुछ स्थानों पर घबराहट में बुकिंग देखी गई, लेकिन आपूर्ति और डिलीवरी पूरी तरह सामान्य रही। सभी घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और पीएनजी की आपूर्ति भी निर्बाध जारी है। पोत, बंदरगाह और जलमार्ग मंत्रालय में विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय जहाज और नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं और पिछले 24 घंटों में किसी भी प्रकार की समुद्री घटना की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि भारतीय ध्वज वाले दो एलपीजी पोत—'पाइन गैस' और 'जग वसंत'—सुरक्षित रूप से होरमुज जलडमरूमध्य पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'पाइन गैस' लगभग 45 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर 27 मार्च को न्यू मैंगलोर बंदरगाह पहुंचने की संभावना है, जबकि 'जग वसंत' करीब 47,600 मीट्रिक टन एलपीजी के साथ 26 मार्च को कांडला बंदरगाह पहुंच सकता है। इसके साथ ही फारस की खाड़ी में इस समय 20 भारतीय ध्वज वाले जहाज मौजूद हैं, जिनमें 540 भारतीय नाविक सवार हैं।

राजेश कुमार सिन्हा ने यह भी बताया कि किसी भी भारतीय बंदरगाह पर भीड़भाड़ की स्थिति नहीं है और सभी प्रमुख एवं गैर-प्रमुख बंदरगाहों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों में जहाजरानी महानिदेशालय के नियंत्रण कक्ष को 146 कॉल और 226 ईमेल प्राप्त हुए, जिनका समय पर निस्तारण किया गया। इसी अवधि में 26 भारतीय नाविकों को खाड़ी क्षेत्र से सुरक्षित स्वदेश लाया गया है। सरकार ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि देश में ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है और नागरिकों को किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही, लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों से बचें और आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें।

एलजी सक्सेना ने वीरों को श्रद्धांजलि दी और भारतीय सेना के साहस को सराहा

लेह। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने मंगलवार को हॉल ऑफ फेम का दौरा किया और युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्र की सेवा में प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

उपराज्यपाल का स्वागत 14 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला ने किया। इस अवसर पर सक्सेना ने अत्यंत कठिन और प्रतिकूल परिस्थितियों में देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। उन्होंने कहा कि शत्रु सेनाओं के विरुद्ध देश की रक्षा करते हुए सैनिकों द्वारा किए गए बलिदानों को सदा कृतज्ञता और सम्मान के साथ याद रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता, गौरव और गरिमा के लिए प्राणों की आहुति देने वाले सशस्त्र बलों के शहीदों को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि।

हम भारतीय शहीदों और उनके परिवारों के प्रति कृतज्ञता के ऋणी हैं। लेह स्थित हॉल ऑफ फेम हमारे सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को सही मायने में गौरवान्वित करता है। भारतीय सेना के साहस और शौर्य की सराहना करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि सैनिक शून्य से नीचे के तापमान और चुनौतीपूर्ण भूभाग में भी देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए और देशभक्ति का एक अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने हॉल ऑफ फेम स्थित संग्रहालय का भी दौरा किया जो मेघदूत और विजय जैसे प्रमुख अभियानों के दौरान भारतीय सेना की बहादुरी और वीरता को प्रदर्शित करता है।

चुनाव आयोग ने अंतर-राज्यीय सीमा बैठक आयोजित की

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के मद्देनजर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में मंगलवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें अंतर-राज्यीय सीमा सुरक्षा और चुनावी शुचिता पर विशेष बल दिया गया। बैठक में ज्ञानेश कुमार के साथ-साथ निर्वाचन आयुक्त डॉ. एस.एस. संधू और डॉ. विवेक जोशी भी मौजूद रहे।

निर्वाचन आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी आम चुनावों के साथ-साथ 6 अन्य राज्यों में होने वाले उपचुनावों की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में इन 5 चुनावी राज्यों और उनके 12 पड़ोसी राज्यों के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) ने भाग लिया। आयोग ने चुनावी राज्यों में शांति बनाए रखने के लिए सीमावर्ती जिलों को सील करने और अंतर-राज्यीय चेक पोस्ट पर निगरानी बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसके अलावा अवैध नकदी, शराब, नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी रोकने के लिए प्रवर्तन एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है।

चुनावी राज्यों और उनके पड़ोसी राज्यों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आपसी सूचना साझा करने को कहा गया है। बैठक में सीबीडीटी, ईडी, एनसीबी, डीआरआई जैसी प्रमुख जांच एजेंसियों के साथ-साथ साआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी जैसे अर्धसैनिक बलों के प्रमुख भी शामिल हुए। आयोग ने इन एजेंसियों को व्यय-संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्रों पर कड़ी नजर रखने, ठोस खुफिया जानकारी के आधार पर छापेमारी और जब्ती की कार्रवाई तेज करने और हवाई अड्डों, बंदरगाहों तथा डाक सेवाओं के माध्यम से होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जांच करने का निर्देश दिया है। इस बैठक का उद्देश्य इन चुनावों को पूरी तरह से हिंसा-मुक्त, भय-मुक्त और प्रलोभन-मुक्त बनाना है।

भगवान श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व में सांदीपनि आश्रम का योगदान महत्वपूर्ण : मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उप्र के वृंदावन में जीवनदीप आश्रम लोकार्पण कार्यक्रम को किया संबोधित

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्य प्रदेश से मथुरा-वृंदावन-गोकुल क्षेत्र का 5000 वर्ष से जीवंत संपर्क रहा है। भगवान श्रीकृष्ण बृज में पराक्रम करने के बाद शिक्षा ग्रहण करने उज्जैन के सांदीपनि आश्रम पधारे थे। इस नाते विश्व के सम्मुख भगवान श्री कृष्ण का जो विराट व्यक्तित्व आया उसमें उज्जयिनी का योगदान रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उत्तर प्रदेश के वृंदावन में जीवनदीप आश्रम के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मथुरा-गोकुल के समान मध्य प्रदेश भी सनातन के विचार को बनाए रखने और उसके विस्तार में योगदान देता रहा है। कार्यक्रम में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, श्री पंच दस नाम जूना अखाड़ा महामंडलेश्वर जीवनदीप पीठाधीश्वर स्वामी यतींद्र आनंद गिरि, महामंडलेश्वर अवधेशानंद जी, साध्वी ऋतंभरा सहित समस्त संत वृंद तथा बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बालकों की प्रस्तुत हनुमान चालीसा के साथ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जयिनी में वर्तमान में सिंहस्थ-2028 के लिए तैयारियां जारी हैं। उन्होंने जीवनदीप आश्रम के लोकार्पण में पधारे समस्त संत वृंद को सिंहस्थ-2028 के लिए आमंत्रित करते हुए उनसे उज्जैन पधारने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने स्वामी यतींद्र आनंद गिरि जी की आध्यात्मिक यात्रा और समाज के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कार्यक्रम में पधारे अतिथियों के साथ ₹सनातन धर्म और जीवन दर्शन₹ पुस्तक का विमोचन भी किया। इस अवसर पर संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि वर्तमान में विश्व के कई देशों की व्यवस्था लड़खड़ा रही है। सनातन धर्म-संस्कृति की ध्वजा कई विपरीत परिस्थितियों को झेलने के बाद भी पूर्ण गरिमा के साथ लहरा रही है। इसमें हमारे आश्रमों और संतों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में भारती ताई द्वारा गरीब बच्चों के लिए संचालित विद्यालय की सराहना की। पद्मभूषण से सम्मानित साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि जीवनदीप आश्रम से वृंदावन की भव्यता में और वृद्धि होगी। संसार में विद्यमान बाधाओं से बढ़कर हमारी मन की आंतरिक बधाएं होती हैं, जो किसी कार्य को पूर्ण होने से रोकती हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम लक्ष्य प्राप्ति के लिए मनसा वाचा कर्मणा, शत-प्रतिशत प्रयास करें तो दुनिया की कोई भी शक्ति हमें अपने ध्येय की प्राप्ति से रोक नहीं सकती। बिहार और केरल के पूर्व राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि भारतीय संस्कृति में ज्ञान की धारा प्रवाहमान है, लेकिन हम अपने विश्वविद्यालयों में इसे भारतीय परिवेश के अनुरूप नहीं पहुंचा सके हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में जीवन दीप आश्रम, ज्ञान के संरक्षण एवं संवर्धन का बड़ा केंद्र बनेगा। हमारे संतजन जनकल्याण के कार्य को समर्पित है।

राहुल गांधी ने ट्रांसजेंडर संशोधन विधेयक को संवैधानिक अधिकारों पर खुला हमला बताया

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को टांसजेंडर समुदाय के लोगों से मिले। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के 'ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026' की तीखी आलोचना की और इसे समुदाय के संवैधानिक अधिकारों और पहचान पर खुला हमला बताया।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि भाजपा सरकार का यह प्रतिगामी विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों से अपनी पहचान स्वयं तय करने का अधिकार छीन लेता है, जो सुप्रीम कोर्ट के 2014 के एनएएलएसए फैसले का सीधा उल्लंघन है। यह पूरे भारत में विभिन्न समुदायों की विविध सांस्कृतिक पहचान को मिटा देने वाला कदम है। विधेयक ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मेडिकल बोर्ड के सामने अमानवीय जांच से गुजरने के लिए मजबूर करता है और बिना किसी सुरक्षा उपाय के आपराधिक दंड व निगरानी की व्यवस्था लागू करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने ट्रांसजेंडर समुदाय से कोई परामर्श नहीं किया और ऐसा विधेयक लाई है जो उन्हें सुरक्षा देने के बजाय कलंकित करता है। राहुल गांधी ने कहा, "संविधान हर भारतीय के जीवन, स्वतंत्रता, पहचान और गरिमा के अधिकार की रक्षा करता है। लेकिन भाजपा सरकार अपने संकीर्ण विचारों को पूरा करने के लिए संविधान का उल्लंघन कर रही है और ट्रांसजेंडर समुदायों का सम्मान करने वाले भारत के समृद्ध इतिहास को नष्ट कर रही है। कांग्रेस पार्टी इस विधेयक का स्पष्ट रूप से विरोध करती है। यह विधेयक 13 मार्च 2026 को लोकसभा में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार द्वारा पेश किया गया था। 2019 के ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन ट्रांसजेंडर की परिभाषा को सीमित करने, स्व-पहचान के अधिकार को हटाने और मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा के बाद ही पहचान प्रमाणपत्र जारी करने का प्रावधान करता है। सरकार का तर्क है कि 2019 का कानून अस्पष्ट था और इसका दुरुपयोग हो रहा था, इसलिए स्पष्ट परिभाषा और मजबूत प्रक्रिया जरूरी है।

देश का निर्यात लगातार ऊपर की ओर, व्यापार को बढ़ावा देने के प्रयास तेज : जितिन प्रसाद

नई दिल्ली। देश का निर्यात चालू वित्त वर्ष 2025-26 में लगातार ऊपर की ओर बढ़ता जा रहा है, जो अप्रैल से जनवरी के दौरान 714.73 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। यह भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावटों और कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच देश के लचीलेपन को दर्शाता है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को लोकसभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने सदन को बताया कि सरकार ने वैश्विक व्यापार उपस्थिति बढ़ाने के लिए निर्यात इकोसिस्टम को सुदृढ़ किया है। प्रसाद ने कहा कि भू-राजनीतिक व्यवधानों से उत्पन्न निर्यात जोखिम कम करने के लिए 'रिलीफ' स्कीम शुरू की गई है।

इससे भारत का कुल निर्यात चालू वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल-जनवरी) में बढ़कर 714.73 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। लोकसभा में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार वस्तुओं और सेवाओं के कुल निर्यात में 5.26 फीसदी की वृद्धि हुई है।

अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाईन निःशुल्क कोचिंग, आवेदन आमंत्रित

कोरबा। भारतीय थलसेना में अग्निवीर भर्ती हेतु 1 अप्रैल 2026 तक वेबसाईट www join indianarmynic.in पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 1 जून 2026 से 15 जून 2026 तक पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाईन परीक्षा (CEE) आयोजित किया जाना संभावित है।

भारतीय थलसेना में अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों को छ0ग0 रोजगार विभाग द्वारा निःशुल्क कोचिंग प्रदान किया जायेगा।

अतः जो आवेदक लिखित परीक्षा हेतु निःशुल्क ऑनलाईन कोचिंग चाहते हैं वे भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीयन पश्चात रोजगार विभाग के वेबसाईट www.erojgar.cg.gov.in पर 'अग्निवीर भर्ती 2026 की लिखित परीक्षा की तैयारी हेतु प्रशिक्षण के लिए ऑनलाईन आवेदन करने के पूर्व 'रोजगार कार्यालय में पंजीयन' करवाना अनिवार्य होगा।

हैदराबाद में क्यूनेट रैकेट का भंडाफोड़: 11 महिलाओं सहित 32 लोग गिरफ्तार, करोड़ों की ठगी उजागर

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने देशभर में फैले करोड़ों रुपये के क्यूनेट से जुड़े धोखाधड़ी और अवैध मनी सर्कुलेशन रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 11 महिलाओं समेत कुल 32 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में करीब 30 स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर चार मामलों में ये गिरफ्तारियां की गईं। गिरफ्तार आरोपितों में ग्रुप लीडर, मोटिवेटर, स्वतंत्र प्रतिनिधि और लोन एजेंट शामिल हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपित हैदराबाद, महबूबनगर, बेल्लमपल्ली, वारंगल, विशाखापत्तनम, एलुरु, नेल्लोर, नंद्याल, नरसीपटनम और ओडिशा के निवासी हैं। पुलिस आयुक्त के अनुसार, यह रैकेट विहान डायरेक्ट सेलिंग प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है, जो हांगकांग स्थित क्यूआई ग्रुप की फ्रेंचाइजी के रूप में भारत में क्यूनेट ब्रांड के तहत संचालित हो रहा था।

इस अभियान के लिए सेंट्रल क्राइम स्टेशन ने 30 विशेष टीमों का गठन किया था। पुलिस की जांच में सामने आया कि आरोपित आईटी और पूर्व आईटी कर्मचारी थे, जो लोगों को जोड़ने, प्रशिक्षण देने और निवेश के लिए प्रेरित करने का काम करते थे। यह नेटवर्क वर्ष 1998 से 'गोल्ड क्वेस्ट' और 'क्वेस्ट नेट' जैसे नामों से सक्रिय रहा है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, आरोपियों ने डायरेक्ट सेलिंग के नाम पर सोशल मीडिया के जरिए विज्ञापन देकर लोगों को आकर्षित किया। इसमें दावा किया जाता था कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और अफ्रीकी देशों में ई-कॉमर्स व्यवसाय में निवेश कर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है। इस जाल में आईटी कर्मचारी, व्यवसायी, गृहिणियां और बेरोजगार युवा अधिक संख्या में फंसाए गए। उन्होंने बताया कि रुचि दिखाने वाले लोगों को 19 से 22 प्रतिशत ब्याज दर पर फिनटेक के जरिए पर्सनल लोन लेने के लिए प्रेरित किया जाता था। उन्हें हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित होटलों और कैफे में बुलाकर निवेश योजनाओं के बारे में बताया जाता था, लेकिन कंपनी की वास्तविक पहचान और एमएलएम (मल्टी-लेवल मार्केटिंग) संरचना को छिपाया जाता था।

पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपितों द्वारा क्यूनेट का नाम सीधे नहीं लिया जाता था। वे ई-कॉमर्स बिजनेस में निवेश के नाम पर हर महीने आय का झांसा देते थे और 5 से 10 लाख रुपये के निवेश पर दो वर्षों में 3 से 4 करोड़ रुपये का मुनाफा होने का दावा करते थे।

निवेश मित्र-3 का शुभारंभः मुख्यमंत्री योगी ने यूपी में काम कर रहीं कंपनियों को 2781 करोड़ की सब्सिडी हस्तांतरित की

निवेश के लिए यूपी के पास अन्य की तुलना में सबसे अधिक 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक: सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार को यहां लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में निवेश मित्र-3 का शुभारंभ किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश में संचालित कंपनियों को दो हजार 781 करोड़ 12 लाख रुपये सब्सिडी हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री ने राज्य की पूर्व सरकारों परजमकर प्रहार किए।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नौ वर्ष पहले हम लोगों ने जो सपना देखा था, वह धरातल पर उतरने जा रहा है। आज दुनिया के किसी भी उद्यमी के लिए सबसे पसंदीदा निवेश के लिए जगह उप्र है, यह भरोसा बना है। पहले की सरकारों ने यही भरोसा खो दिया था। कोई उद्यमी निवेश नहीं करना चाह रहा था। आज हमारी टीम-यूपी के प्रयासों से यहां निवेश के लिए लोग उत्सुक हैं। उत्तर प्रदेश भारत का फूड बास्केट भी कहा जाता है। फूड सेक्टर में उत्तर प्रदेश में अपार संभावनाएं हैं। पिछले नौ सालों में इस सेक्टर को खूब आगे बढ़ाया गया है। 11 फीसदी भूमि की उपलब्धता के साथ 21 फीसदी खाद्यान्न उत्पादन हमार उत्तर प्रदेश कर रहा है। युवाओं को रोजगार मिल सके, इसके लिए भी प्रयास किए गए।

उप्र निवेश का गंतव्य बने, इस दिशा में बहुत प्रयास किए गए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 की शुरुआत में शायद ही कोई मिलने आ जाता हो। हम लोग उद्यमियों से निवेश का आग्रह करते थे तो वे लोग हंसते थे। चौंक कर कहते थे कि निवेश और यूपी में। वे लोग कहते थे कि पांच साल पहले ही हम लोगों ने यूपी में निवेश नहीं करने का संकल्प ले लिया है। आप आए हैं, तो हम लोग विचार करेंगे। हर जनपद, तहसील और थाने में माफिया समानांतर सरकार चला रहे थे। तब हम लोगों ने तय किया कि अपराधियों की कमर तोड़नी है। अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरों टालरेंस की नीति अपनाई। जीरो टालरेंस के साथ ही जीरो करप्शन भी दिखे, इस दिशा में भी प्रयास किया गया। अब वे लोग ही जो कभी निवेश नहीं करना चाहते थे, फोन करके निवेश की इच्छा प्रकट कर रहे हैं।

निवेश के लिए यूपी के पास 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक है। किसी भी राज्य की तुलना में सबसे अधिक है। योगी ने कहा कि हम लोग आए थे तो यूपी में डेढ़ एक्सप्रेस-वे थे। आज देश के अंदर एक्सप्रेस-वे के क्षेत्र में 55 फीसदी वृद्धि हो गयी है। गंगा एक्सप्रेस-वे का शुभारम्भ होने के साथ ही भारत में अकेले 60 फीसदी अकेले उप्र की हिस्सेदारी होगी। हमारे पास 16 डोमेस्टिक एयरपोर्ट और चार अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा है।

यूपी के सात शहरों में मेट्रो का संचालन किया जा रहा है। ब्लॉक, जिला और राज्य मुख्यालय को टू-लेन सड़कों से जोड़ा गया है। आज गोरखपुर के दो उद्यमी इस कार्यक्रम में इंसेंटिव लेने के लिए आए हैं। गोरखपुर में निवेश एक सपना था। सुरक्षा नहीं मिल पाने की वजह से गोरखपुर के उद्यमी गुजरात में निवेश कर रहे थे। आज वे लोग ही गोरखपुर में उद्योग स्थापित किए हैं। उप्र के हर क्षेत्र में निवेश हो रहा है। कहीं पर भी कोई समस्या नहीं है।

उन्होंने कहा कि अब ट्रेड यूनियन के नाम पर फैक्टरियों को नुकसान नहीं पहुंचाने दिया जाता। हर दिन गृह विभाग की समीक्षा करता हूं। रात 11-12 बजे भी पता चल जाए कि किसी ट्रेड यूनियन के लोग फैक्ट्रियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं तो उसी वक्त संबंधित जिले के जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान को फोन कर उठाता हूं। उनसे कहता हूं कि उन गुर्गों को टांग कर उप्र की सीमा से बाहर फेंक दो। इन लोगों ने कानपुर का क्या हश्र किया, सबके सामने है। निवेश के लिए आवदेन की प्रक्रिया को काफी आसान किया गया है। सिंग विंडो सिस्टम निवेश मित्र-3 उद्यमियों की राह काफी आसान करेगा। इसमें आवेदन करने से लेकर अनुमोदन तक की व्यवस्था है। किसी प्रकार की हस्तक्षेप की नौबत न हो, इसकी व्यवस्था इसमें की गयी है। इस मौके पर 45 कम्पनियों को सब्सिडी वितरित करने के साथ 62 कंपनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) भी प्रदान किया गया है। उद्यमियों के साथ एमथोयू हुआ है।

इस मौके पर मंच पर मुख्यमंत्री योगी के साथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी, आईटी एवं इलेक्ट्रानिक मंत्री सुनील शर्मा, राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी के अलावा शासन के अधिकारी मौजूद रहे।

वाराणसी में सिलेंडर ब्लास्ट से मकान गिरा, मलबे में दबकर भाई-बहन की मौत

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के लहरतारा मंडुवाडीह इलाके में मंगलवार को अचानक सिलेंडर ब्लास्ट से मकान गिर गया। हादसे में मलबे के नीचे दबकर भाई-बहन की मौत हो गई। वहीं,दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से बीएचयू ट्रामा सेंटर में पहुंचाया। इस बीच मौके पर पुलिस अधिकारी भी पहुंच गए और जांच करते हुए कार्रवाई में जुट गई।

मिली जानकारी के अनुसार, लहरतारा में स्मृतिशेष आद्या प्रसाद का परिवार रहता है। मंगलवार सुबह लगभग 8 से 9 बजे के बीच परिवार के सदस्य खाना बना रहे थे। इसी दौरान घरेलू गैस सिलेंडर में रिसाव के कारण जोरदार धमाका हो गया। शक्तिशाली धमाके से एक मंजिले मकान की छत और दीवारें ढह गईं। धमाके से आसपास अफरा-तफरा मच गई। मलबे में दबे घायलों की चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग जुटे और पुलिस को घटना की जानकारी देकर राहत कार्य में जुट गए। काफी प्रयास के बाद मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला जा सका। इस हादसे में आद्या प्रसाद के बेटे ओम कुमार चौधरी (30) और बेटी प्रीति चौधरी (27) की मौत हो गई। वहीं उनकी पत्नी गिरिजा देवी और एक अन्य सदस्य अमन चौधरी को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की जानकारी पाकर मौके पर एडीएम सिटी आलोक वर्मा, डीसीपी गोमती जोन आकाश पटेल, एडीसीपी नीतू कादयान, सीएफओ आनंद सिंह राजपूत भी पहुंच गए।

इस बारे में डीसीपी वरूणा जोन ने बताया कि मंडुवाडीह लहरतारा में गैस रिसाव (लीकेज) के कारण हुए गैस एक्सप्लोजन (ब्लास्ट) से एक पुराने जर्जर मकान के गिरने से बहन प्रीति और भाई ओम कुमार की मौत हुई है। वहीं दो घायल हैं। घटना के बाद मौके पर तत्काल थाना मण्डुवाडीह पुलिस, फील्ड यूनिट, बीडीडीएस की टीम व समस्त संबंधित उच्चाधिकारी पहुंच गए हैं। दो घायलों में गिरिजा देवी व अमन कुमार चौधरी फिलहाल ठीक हैं व दोनों को बर्न इंजरी हुई हैं। बीडीडीएस व फील्ड यूनिट को तफ्तीश करने के उपरान्त मौके से 2 गैस सिलेंडर बरामद हुए हैं, जो की घर की मुखिया गिरिजा देवी के नाम रजिस्टर्ड/जारी हैं। उपरोक्त घटना गैस सिलेंडर पर खाना बनाने के दौरान हुए गैस रिसाव (लीकेज) के कारण गैस एक्सप्लोज़न की थर्राहट से घटित हई है।

युवक की हत्या में 4 आरोपी गिरफ्तार

बागपत। उत्तर प्रदेश में बागपत जिले के दोघट थाना क्षेत्र में बीते दिनों युवक की हत्या कर शव गन्ने के खेत में छिपाने के मामले में पुलिस ने मंगलवार को घटना का खुलासा करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों ने स्वीकारा कि उन चारों ने मिलकर युवक की हत्या की थी।

थाना प्रभारी केवल सिंह ने बताया कि दाहा गांव निवासी अरविंद उर्फ बिल्लू शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका छोटा भाई संजय उर्फ संजू निरपुड़ा गांव निवासी किसान सचिन के यहां रहकर खेत में गन्ना छिलाई का काम कर रहा था। लगभग एक महीने से वह घर नहीं आया है। सचिन से पूछा तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। आशंका है कि भाई के साथ कोई अनहोनी हुई है। पुलिस ने पीड़ित तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर सचिन और उसके तीन साथी आकाश, शुभम और अजीत को गिरफ्तार सख्ती से पूछताछ की। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने सोमवार को गन्ने के खेत में दफनाया गया शव बरामद कर लिया। उसकी निशानदेही पर हत्या का इस्तेमाल किया हथियार भी बरामद कर लिया। मुख्य आरोपित सचिन ने बताया कि उसने खेती-बाड़ी की देखभाल के लिए दाहा ग्राम निवासी संजय को डेढ़ माह पहले घरेलू नौकर के रूप में रखा था।

कंकाल काली की रहस्यमयी प्रतिमा के दर्शन को उमड़े भक्त

मीरजापुर। नवरात्र के पावन अवसर पर विंध्याचल क्षेत्र के अकोढ़ी गांव स्थित कंकाल काली देवी मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। मंगलवार को भी भोर की आरती और भव्य झांकी के साथ मां के दर्शन कर श्रद्धालु खुद को धन्य मान रहे हैं।

मंदिर के पुजारी दिनेश कुमार ने बताया कि पौराणिक मान्यता के अनुसार त्रेता युग में चंड-मुंड नामक दैत्यों के अत्याचार से त्रस्त देवताओं की पुकार पर काली माता प्रकट हुई थीं। दैत्यों के संहार के दौरान उनके क्रोध से मुख कंकाल स्वरूप में परिवर्तित हो गया, तभी से यहां मां कंकाल काली के रूप में पूजी जाती हैं। ग्रामीणों के अनुसार करीब एक सदी पहले एक किसान को खेत जोतते समय हल से टकराकर यह दिव्य प्रतिमा मिली थी। सूचना फैलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गई। वर्ष 1996 में स्व. कुल्लन सिंह की स्मृति में मंदिर का निर्माण कराया गया। नवरात्र में दूर-दराज से यहां आने वाले श्रद्धालु मां के चरणों में शीश नवाकर मनोकामनाएं मांग रहे हैं। मंदिर परिसर में दिनभर जयकारों की गूंज और भक्ति का माहौल बना हुआ है।

ड्यूटी के दौरान पुलिस इंस्पेक्टर की तबीयत बिगड़ने से मौत

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जनपद में मंगलवार की सुबह एटा में तेनात पुलिस इंस्पेक्टर की परीक्षा ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत खराब हो गई जिनको आनन फानन में में अवंतीबाई लोधी मेडिकल कॉलेज एटा ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद इंस्पेक्टर को मृत घोषित कर दिया।

उत्तर प्रदेश के एटा जनपद में मंगलवार की सुबह साइबर थाने में तैनात निरीक्षक राघवेंद्र सिंह(50) की ड्यूटी रिक्रूट ट्रेनिंग सेंटर(आर टी सी) परीक्षा में लगी हुई थी, वे अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर रहे थे। इसी दौरान उनकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी और बेहोशी आने लगी उनके सह कर्मियों द्वारा आनन फानन में उनको अवंती बाई लोधी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने राघवेंद्र सिंह को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय पुलिस द्वारा मृतक निरीक्षक के शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। थाना कोतवाली नगर एटा प्रभारी निरीक्षक प्रेमपाल सिंह ने बताया कि मृतक इंस्पेक्टर राघवेंद्र सिंह 1998 बैच के थे।

2016 में पदोन्नति पाकर निरीक्षक बने थे। मूल रूप से जनपद औरैया के रहने वाले थे। राघवेंद्र सिंह की मृत्यु की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई परिवार में इस दुखद सूचना के बाद कोहराम गया इंस्पेक्टर की मौत के बाद एटा पुलिस विभाग में भी शोक की लहर दौड़ गई है। निरीक्षक राघवेंद्र सिंह की अपने अच्छे व्यवहार के कारण पुलिस विभाग में अच्छी छवि थी।

संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ की मौत खेत की तार में करंट लगने की आशंका

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद के जामो थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक अधेड़ का शव संदिग्ध परिस्थितियों में एक दुकान के पास पड़ा मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जामों। क्षेत्र में मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने दुकान के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा देखा।

इसकी जानकारी थाना जामो पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान पर्वतपुर मजरे सम्भई निवासी सुनील कुमार (50) पुत्र राम लखन के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन भी पहुंच गए। ग्रामीणों के अनुसार, मृतक को सोमवार देर रात शराब के नशे में देखा गया था। बताया जा रहा है कि मृतक शराब पीने का आदी था और बीती रात भी ठेके के पास काफी देर तक बैठा रहा। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, मृतक शराब पीकर साइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान खेत की सुरक्षा के लिए लगाए गए तार से साइकिल टकरा गई, जिससे वह असंतुलित होकर तार पर गिर गया। आशंका जताई जा रही है कि तार में सोलर पैनल से करंट प्रवाहित हो रहा था, जिसकी चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

सुलतानपुर में पति ने पत्नी की पीट-पीटकर कर दी हत्या

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर जिले के धनपतगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार को फोन न उठा पाने की बात से नाराज पति ने बच्चों के सामने पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि सेवरा चरथई गांव में गांव में रहने वाला नक्छेद (45) पत्नी कुसुम (42), बेटा उदयभान (9) और बेटी दीक्षा (8) के साथ रहता है। बड़ा बेटा तिलक राज (22) पंजाब में नौकरी करता है, जबकि नक्छेद मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता है। बेटी दीक्षा ने बताया दोपहर को उन्होंने मां को फोन मिलाया, लेकिन घर के कामकाज में व्यस्त होने के कारण कॉल रिसीव नहीं कर पायी। देर रात को जब पापा घर आए तो इसी बात लेकर मां से झगड़ने लगे।

कागज गोदाम में लगी आग, लाखों का माल जलकर खाक

उरई। उत्तर प्रदेश के उरई में कालपी कोतवाली क्षेत्र के आलमपुर गांव में मंगलवार को एक पुराने मकान में संचालित कागज गोदाम में अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में पूरा गोदाम उसकी चपेट में आ गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक गोदाम से धुआं उठता दिखा। कुछ ही पलों में आग की लपटें उठने लगीं और गोदाम में रखे कागज धूं धूं कर जलने लगे, इस कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें और धुएं का गुबार देख पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची दमकल की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग ने गोदाम के अंदर रखे लाखों रुपये के कागज, स्टेशनरी और अन्य सामान जल कर खाक हो गए। इसके अलावा आग की तेज लपटों से गोदाम के कमरे की छत भी क्षतिग्रस्त हो गई। गोदाम मालिक राहुल का कहना है कि आग कैसे लगी इसकी कोई जानकारी नहीं है। इस आग से गोदाम में रखा करीब 13-14 लाख का माल जलकर राख हो गया। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग इतनी भयंकर थी कि दमकल कर्मियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि, कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल, दमकल अधिकारियों ने आग लगने के सटीक कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक तौर पर बिजली के शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है। कोतवाली प्रभारी अजय ब्रह्म तिवारी का कहना है कि पुलिस ने मौके का मुआयना करके रिपोर्ट तैयार की है। अग्निकांड में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

चैत्र नवरात्र: छठवें दिन ललिता गौरी और मां कात्यायनी के दरबार में श्रद्धालुओं ने टेका मत्था

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में वासंतिक चैत्र नवरात्र का छठवां दिन माता ललिता गौरी को समर्पित है। मातृशक्ति की आराधना में लीन श्रद्धालुओं ने परम्परानुसार छठवें दिन मंगलवार को नवदुर्गा के दर्शन के क्रम में संकठा घाट पर आत्माविश्वेश्वर मंदिर परिसर स्थित मां कात्यायनी देवी और गौरी स्वरूप में ललिता गौरी के दरबार में हाजिरी लगाई।

भोर से ही श्रद्धालु देवी के दोनों स्वरूप के दरबार में पहुंचते रहे। दोनों देवी मंदिरों में मंगला आरती के बाद शुरू हुआ दर्शन-पूजन का क्रम देर रात तक चलता रहेगा। मां कात्यायनी के दरबार में महिलाओं की भीड़ ज्यादा दिखी। दोनों मंदिरों में मंगला आरती के पहले मां के विग्रह को पंचामृत व गंगाजल से स्नान कराया गया। विधि-विधान से आरती पूजन के बाद मंदिरों का पट भक्तों के दर्शन के लिए खोल दिया गया।

मां कात्यायनी के बारे में मान्यता है कि देवताओं की कार्य सिद्धि के लिए भगवती महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुई थीं। महर्षि ने उन्हें कन्या का स्थान दिया। इसलिए देवी कात्यायनी के नाम से विख्यात हुईं। 'देवानाम् कार्यसिद्धर्थ माविर्भवति सायदा' अर्थात देवताओं का कार्य सिद्ध करने के उद्देश्य से भगवती समय-समय पर अनेक रूपों में अवतरित हुईं है। तीन नेत्रों से विभूषित माता के मुख पर सौम्यता है। इनका ध्यान करने से कष्टों से मुक्ति मिलती है। माता महाभय से भक्त की रक्षा करती हैं। देवी पुराण, स्कंद पुराण में भगवती देवी के इस स्वरूप की महिमा का विस्तृत रूप से बखान किया गया है।

इसी तरह नवगौरी के छठवें स्वरूप ललिता घाट स्थित मां ललिता गौरी भी देवताओं की मनोकामना पूर्ण करने के लिए प्रकट हुई। माता के इस अद्भुत रूप के दर्शन मात्र से मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। ललिता गौरी, ललिता तीर्थ क्षेत्र की रक्षा करती हैं। श्रद्धालुओं के विध्न को हरती हैं। मान्यता है कि ललिता गौरी के आराधना से व्यक्ति को ललित कलाओं में विशेष उपलब्धि प्राप्त होती है। देवी को अड़हुल का फूल विशेष रूप से प्रिय है।

माता के दरबार में दर्शन पूजन के लिए आई चौखंभा चौक की पलाश अग्रवाल,सौम्या गुजराती, निरंजना अग्रवाल ने बताया कि माता को हल्दी और कुमकुम चढ़ाने से सभी मनोकामनाए पूर्ण होती है। खास तौर से माता को हल्दी और कुमकुम का लेपन करने से कुवारी कन्याओं को मन चाहा वर मिलता है। हमलोगों ने घर परिवार में सुख शांति और वंश वेल में वृद्धि की कामना से माता के चौखट पर हाजिरी लगाई है। धूप, दीप, नैवेद्य , नारियल , पुष्प माँ के चरणों में अर्पित कर शांति और आनंद की अनुभूति हो रही है।

मां शीतला के चरणों में भक्तों ने टेका माथा

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में मंगलवार को गड़बड़ा धाम में मां शीतला के दरबार में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। करीब 20 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन कर अपनी मनोकामनाएं मांगीं। सुबह से ही सेवटी नदी में स्नान के बाद भक्त पुरुष और महिलाएं अलग-अलग कतारों में लगकर मां के दर्शन के लिए आगे बढ़ते रहे। हाथों में नारियल, चुनरी, हलुआ-पूरी और पुष्पमालाएं लिए मध्य प्रदेश, प्रयागराज, भदोही व सोनभद्र समेत दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालु भक्ति में लीन नजर आए। कुमारी कन्याओं ने परंपरा के अनुसार जवारी लेकर मां के दरबार में पहुंचकर सेवटी नदी में विसर्जन किया। मंदिर परिसर में दिनभर जयकारों की गूंज रही। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए थाना प्रभारी राजीव श्रीवास्तव, मेला प्रभारी श्याम लाल पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। वहीं, मंदिर प्रबंधन से प्रकाश चंद, ज्ञान चंद और शुभाष चंद शुक्ल समेत करीब 20 वालंटियर्स व्यवस्था संभालते दिखे।

संभल के शाही जामा मस्जिद मामले की अगली सुनवाई 22 अप्रैल को

संभल। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल की सदर तहसील क्षेत्र में स्थित शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा पेश करने वाली याचिका में मंगलवार को सिविल जज सीनियर डिवीजन ने सुनवाई की अगली तिथि 22 अप्रैल नियत की। जनपद संभल की सदर तहसील क्षेत्र में स्थित शाही जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा पेश करने वाली याचिका पर आज 24 मार्च को जिला न्यायलय में सिविल जज सीनियर डिवीज़न आदित्य सिंह के कोर्ट में सुनवाई हुई लेकिन सुप्रीम कोर्ट से स्टे होने के कारण न्यायलय ने इस मामले में सुनवाई के लिए अगली तिथि 22 अप्रैल 2026 नियत की है।

उल्लेखनीय है कि संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने की आठ याचियों की ओर से दावा करने वाली एक याचिका सिविल जज सीनियर डिवीज़न के यहाँ 19 नवंबर 2024 को दाखिल की गई थी। इसी याचिका पर आज सुनवाई होनी थी। इससे पूर्व सिविल जज सीनियर डिवीज़न आदित्य सिंह के कोर्ट में पिछली सुनवाई 24 फरवरी को हुई थी। आज हुई सुनवाई में न्यायलय ने इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख 22 अप्रैल तय की है। इस विषय में वादी पक्ष के अधिवक्ता श्रीगोपाल शर्मा ने बताया कि 22 अप्रैल की तिथि आज दी गयी है। उन्होंने बताया कि इस प्रकरण में सिविल जज न्यायालय के सर्वे संबंधी आदेश के विरुद्ध मस्जिद पक्ष हाई कोर्ट गया था हाईकोर्ट ने न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन के आदेश को सही ठहराया और मस्जिद पक्ष की रिट को निरस्त कर दिया।

हाईकोर्ट के निर्णय के विरुद्ध मस्जिद पक्ष सुप्रीम कोर्ट गया। सुप्रीम कोर्ट ने स्टे जारी कर दिया । इस प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में एक बार सुनवाई हो चुकी है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उसमें कोई निर्णय नहीं दिया है जिससे उनका स्टे ऑर्डर बरकरार रहा है जिसके चलते सिविल जज सीनियर डिवीजन संभल ने इसमें 22 अप्रैल 2026 दी है। वहीं इस मामले में शाही जामा मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता कासिम ज़माल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के स्टे के कारण कोर्ट में आज इस मामले में सुनवाई नहीं हुई और न्यायालय ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 22 अप्रैल 2026 की तिथि नियत की है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

अफ्रीका दौरे पर 5 टी20 मुकाबलों की सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

भारतीय टीमः
हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, श्री चारणी, श्रेयंका पाटिल, काश्वी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा।

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम का ऐलान कर दिया गया है। चयन समिति ने पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए संतुलित और मजबूत टीम चुनी है, जिसकी कमान हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि उपकप्तान की जिम्मेदारी स्मृति मंधाना निभाएंगी। टीम में शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और ऋचा घोष जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है, जो बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। वहीं गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, अरुंधति रेड्डी और श्रेयंका पाटिल जैसे नाम टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। इसके अलावा कुछ युवा खिलाड़ियों को भी मौका दिया गया है, जिनमें काश्वी गौतम, क्रांति गौड़ और श्री चारणी शामिल हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यह टी20 सीरीज 17 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। सीरीज का दूसरा मैच 19, तीसरा 22 और चौथा 25 अप्रैल को खेला जाएगा। पहला और दूसरा मुकाबला डरबन में खेला जाएगा, जबकि तीसरा और चौथा मैच जोहान्सबर्ग में आयोजित होगा। सीरीज का पांचवां और अंतिम मुकाबला 27 अप्रैल को खेला जाएगा। सभी मुकाबले भारतीय समयानुसार शाम और रात में खेले जाएंगे, जिससे भारतीय दर्शकों के लिए भी यह सीरीज आकर्षण का केंद्र बनी रहेगी। यह दौरा आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की तैयारी के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है और टीम इंडिया इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर अपनी तैयारियों को और मजबूत करना चाहेगी।

सैफ अंडर20 चैम्पियनशिप के लिये भारतीय टीम मालदीव पहुंची

माले। भारत की अंडर 20 पुरूष फुटबॉल टीम सैफ चैम्पियनशिप में भाग लेने यहां पहुंच गई है और पहले मैच में बृहस्पतिवार को पाकिस्तान से खेलेगी।

इस मैच के बाद ग्रुप बी में भारतीय टीम का सामना 28 मार्च को बांग्लादेश से होगा। दोनों मैच नेशनल स्टेडियम में खेले जायेंगे। ग्रुप ए में मालदीव, श्रीलंका, नेपाल और भूटान की टीमें हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी जो एक अप्रैल को होगा। फाइनल तीन अप्रैल को खेला जायेगा। भारत के अंडर 20 मुख्य कोच महेश गवली ने कहा ,'' यह काफी अहम और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। सभी टीमें काफी प्रतिस्पर्धी है और हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।''

भारतीय टीम :
गोलकीपर : अल्साबित एसटी, प्रणव सुंदरमन, सूरज सिंह
डिफेंडर : बूंगसोन सिंह टी, जोडरिक अब्रांचेस, करीश सोराम, मालेमंगांबा सिंह थोकचोम, मोहम्मद कैफ, रोशन सिंह थांगजाम, उशाम सिंह , याइफारेम्बा चिंगाखाम
मिडफील्डर : अनिकेत यादव, डैनी मेतेइ लैशराम, गुरनाज सिंह ग्रेवाल, मोहम्मद अरबाश, रिषिकांता मेतेइ लैशराम, रिषि सिंह एन
फॉरवर्ड : उमंग दोडुम, प्रशान जाजो, रोहेन सिंह , विशाल यादव, सैमसन ए, तनबीर डे।

मियामी ओपन 2026: सिनर ने 'सनशाइन डबल' की उम्मीदें रखीं जिंदा, मेदवेदेव और मेंसिक बाहर

मियामी। मियामी ओपन 2026 में इटली के स्टार खिलाड़ी जानिक सिनर ने शानदार जीत के साथ अपने "सनशाइन डबल (इंडियन वेल्स और मियामी ओपन एक ही साल में जीतना) " के सपने को जिंदा रखा है। सिनर ने सोमवार को तीसरे दौर में फ्रांस के कोरेंटिन मूटे को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम-16 में जगह बना ली। इससे पहले वह इस महीने इंडियन वेल्स खिताब भी जीत चुके हैं और अब लगातार दूसरा बड़ा खिताब जीतने की दौड़ में हैं। सिनर का अगला मुकाबला अमेरिका के एलेक्स माइकलसन से होगा, जिन्होंने चिली के एलेजांद्रो टैबिलो को 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। वहीं, मौजूदा चैंपियन याकुब मेंसिक को बड़ा झटका लगा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

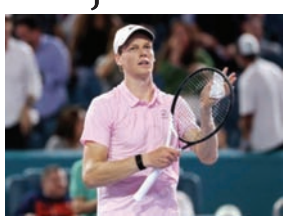

पिछले तीन महीने मेरी कप्तानी का सबसे कठिन दौर रहा : कप्तान स्टोक्स

लंदन। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने पिछले तीन महीने को अपनी कप्तानी का सबसे कठिन दौर बताया लेकिन यह भी दोहराया कि वह कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ मिलकर टीम को फिर से तैयार करने के लिये प्रतिबद्ध हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की कि एशेज श्रृंखला 1 . 4 से हारने के बावजूद स्टोक्स, मैकुलम और प्रबंध निदेशक रॉब की पद पर बने रहेंगे। स्टोक्स ने अपनी, की और मैकुलम की तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए एक भावुक खुले पत्र में लिखा ,'' इंग्लैंड का कप्तान बनना एक खिलाड़ी के लिये सबसे बड़ा सम्मान है और मैं इसे हलके में नहीं लेता। इसके अपने उतार चढाव हैं।

यह आपको मुस्कुराने के मौके देता है तो रूलाता भी है।'' उन्होंने लिखा,'' कई बार लगता है कि आपके जीवन में बस यही चीज बची है। पिछले तीन महीने कप्तानी के मेरे सफर का सबसे कठिन दौर रहा। इसने कई तरह से मेरी परीक्षा ली और मुझे यकीन है कि हर कप्तान के जीवन में ऐसा दौर आता है।'' उन्होंने कहा कि वह मैकुलम और की के साथ मिलकर फिर टीम तैयार करेंगे। उन्होंने कहा ,'' बाज, रॉब और मेरे भीतर टीम को आगे ले जाने की इच्छा और जुनून है। हम अपना सब कुछ झोंक देंगे। हमें पता है कि हमने गलतियां की है लेकिन अब उनसे सबक लेकर आगे बढेंगे। सफलता से ज्यादा आप असफलता से सीखते हैं।

मंधाना दूसरे स्थान पर कायम, हरमनप्रीत टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंची

दुबई। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को यहां जारी नवीनतम रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गईं। मंधाना के अलावा आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा शीर्ष 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने अपना छठा स्थान बरकरार रखा है, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त 11वें स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजी विभाग में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर छठे स्थान पर बनी हुई हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी शीर्ष 10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर खिसक गई है। दीप्ति ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतकों ने उन्हें सूची में दो स्थान ऊपर18वें स्थान पर पहुंचने में मदद की। रवांडा की 15 वर्षीय फैनी उटागुशिमानिंदे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने पदार्पण मैच में (घाना के खिलाफ) शतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला खिलाड़ी बनी। यही नहीं वह पुरुष और महिला क्रिकेट में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बनी। इससे उन्होंने 66वें स्थान पर रैंकिंग में प्रवेश किया है।

हॉकी इंडिया वार्षिक अवॉर्ड्स में नामित होने पर हार्दिक और नवनीत ने जताया आभार, बड़े टूर्नामेंट्स पर नजर

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया के 8वें वार्षिक अवॉर्ड्स 2025 में नामांकन मिलने के बाद भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक सिंह और नवनीत कौर ने खुशी जताते हुए इसे अपनी मेहनत की पहचान बताया। दोनों खिलाड़ियों ने कहा कि इस सम्मान ने उन्हें और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया है और अब उनकी नजर आगामी बड़े टूर्नामेंट्स पर है।

नई दिल्ली में 27 मार्च को आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित समारोह में हार्दिक सिंह और नवनीत कौर को 'हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर 2025' पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। इसके अलावा हार्दिक को 'अजीत पाल सिंह मिडफील्डर ऑफ द ईयर' और नवनीत को 'धनराज पिल्लै फॉरवर्ड ऑफ द ईयर' के लिए भी नामांकन मिला है।

साल 2025 में दोनों खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। हार्दिक सिंह ने राजगीर, बिहार में आयोजित हीरो एशिया कप में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं नवनीत कौर ने महिला एशिया कप 2025 में छह गोल दागकर टीम को रजत पदक दिलाने में योगदान दिया और इसी दौरान अपने 200 अंतरराष्ट्रीय मैच भी पूरे किए।

हैदराबाद में आयोजित एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप 2026 क्वालीफायर्स में भी नवनीत ने चार गोल कर 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' का खिताब जीता, जहां भारत ने रजत पदक हासिल किया।

हार्दिक सिंह ने अपने बयान में कहा कि इस तरह के अवॉर्ड्स खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण को पहचान देते हैं, जिससे आगे और बेहतर करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने एशिया कप जीत को अपने करियर का खास पल बताते हुए कहा कि टीम ने मुश्किल हालात में एकजुट होकर शानदार प्रदर्शन किया।

वहीं नवनीत कौर ने कहा कि यह नामांकन उनके लिए गर्व की बात है और वह इसके लिए अपने परिवार व टीम साथियों की आभारी हैं। उन्होंने कहा कि लगातार मेहनत और अनुभव के दम पर वह अपने खेल में सुधार करती रही हैं।

दोनों खिलाड़ियों ने आगामी एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप और एशियाई खेलों को लेकर उत्साह जताया और टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का संकल्प दोहराया।

कारोबार

संक्षिप्त खबरें

एसीएमई सोलर ने राजस्थान में अतिरिक्त 155 मेगावाट बैटरी भंडारण क्षमता शुरू की

नई दिल्ली। एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने उसकी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से अतिरिक्त 155 मेगावाट/470.25 मेगावाट-घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) क्षमता शुरू कर दी है। कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि इसके साथ ही उसकी कुल चालू बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता बढ़कर 297.67 मेगावाट/951.74 मेगावाट-घंटा हो गई है। वहीं इसकी विशेष इकाई के तहत नियोजित कुल बीईएसएस क्षमता 835 मेगावाट/3,114.64 मेगावाट-घंटा है। राजस्थान में स्थित ये बैटरी ऊर्जा भंडारण सुविधाएं मौजूदा संचालित अंतर-राज्यीय प्रसारण प्रणाली से जुड़ी हैं और ये मुक्त बाजार के आधार पर संचालित होंगी। इससे अधिकतम और न्यूनतम मांग के समय के बीच मूल्य अंतर से अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। इन परियोजनाओं को इस तरह तैयार किया गया है कि कम मांग के समय बैटरियों को चार्ज किया जाए और अधिक मांग के समय ऊर्जा का निर्वहन किया जाए। यह क्षमता ऊर्जा आपूर्ति एवं मांग के बीच संतुलन बनाने के साथ-साथ समग्र बिजली ग्रिड की स्थिरता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल को मिले 4,439 करोड़ रुपये के ठेके

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) और उसकी अनुषंगी इकाइयों को पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) कारोबार में करीब 4,439 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) क्षेत्र की कंपनी ने बयान में कहा कि इनमें अफ्रीका में 400 किलोवाट पारेषण लाइन और उससे जुड़े सबस्टेशन की परियोजना, भारत में पारेषण लाइन परियोजनाओं के ठके तथा स्वीडन में एक सबस्टेशन परियोजना शामिल है। बयान में कहा गया कि पारेषण एवं वितरण और सिविल बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख ईपीसी कंपनियों में शामिल केपीआईएल और उसकी अनुषंगी कंपनियों को टीएंडडी कारोबार में करीब 4,439 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनीष मोहनोत ने कहा, '' टीएंडडी कारोबार हमें अपनी मजबूत बाजार स्थिति और एकीकृत क्षमताओं का लाभ उठाकर विश्वस्तरीय ईपीसी समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाता है। इन नए ठेकों के साथ हमने 26,000 करोड़ रुपये के वार्षिक ऑर्डर लक्ष्य को भी पार कर लिया है।

रुपया 35 पैसे टूटकर 93.88 प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर

मुंबई। रुपया मंगलवार को 35 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 93.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती और वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण निवेशकों में चिंता का माहौल रहने से घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशकों की निकासी ने भी रुपये पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.66 पर खुला और पूरे सत्र के दौरान इसमें उतार-चढ़ाव बना रहा। अंत में यह 93.88 (अस्थायी) पर रहा, जो पिछले बंद स्तर से 35 पैसे की गिरावट है। सोमवार को रुपया पहली बार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर को पार कर गया था, हालांकि बाद में यह 93.53 पर स्थिर बंद हुआ। फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, ₹लगातार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी से रुपये पर दबाव बना हुआ है। मजबूत अमेरिकी डॉलर के कारण उभरते बाजारों की मुद्राएं कमजोर बनी हुई हैं और इस महीने रुपये में लगभग 4.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। बुधवार के लिए रुपये का दायरा 93.65 से 94.25 के बीच रहने की उम्मीद है।₹ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अमेरिका एक सम्मानित ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहा है और दावा किया कि इस्लामिक गणराज्य युद्ध समाप्त करने के लिए समझौते को लेकर उत्सुक है। उन्होंने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए दी गई समयसीमा भी बढ़ा दी और कहा कि उसे अतिरिक्त पांच दिन दिए गए हैं, अन्यथा उसके बिजली संयंत्रों पर हमले किए जा सकते हैं। हालांकि, ट्रंप के दावों से ईरान के इनकार और क्षेत्र में जारी तनाव ने अनिश्चितता को बढ़ा दिया, जिससे वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.23 प्रतिशत बढ़कर 99.18 पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 1.45 प्रतिशत टूटकर 101.4 डॉलर प्रति बैरल पर था। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 1,372.06 अंक या 1.89 प्रतिशत बढ़कर 74,068.45 अंक पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 209.65 अंक या 0.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,722.30 अंक पर बंद हुआ।

एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन के पत्र में उठाए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी विधि कंपनी नियुक्त की

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के पत्र में उठाए गए मुद्दों की स्वतंत्र जांच के लिए बाहरी विधि कंपनियों को नियुक्त किया है। बैंक ने कहा कि यह कदम तथ्यों पर आधारित एवं निष्पक्ष आकलन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। एचडीएफसी बैंक के प्रवक्ता ने कहा कि बाहरी विधि कंपनियों की नियुक्ति एक सक्रिय कदम है, ताकि पत्र में उठाए गए सभी पहलुओं की स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जा सके और वस्तुनिष्ठ एवं तथ्य आधारित मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह कदम बैंक द्वारा दशकों से अपनाए जा रहे उच्चतम कॉरपोरेट कामकाज मानकों के अनुरूप लगातार समीक्षा एवं तुलना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। उल्लेखनीय है कि देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए अपना पद अचानक छोड़ दिया था। उनका इस्तीफा 18 मार्च से प्रभावी हुआ। यह पहली बार है जब बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच में इस्तीफा दिया है जिससे बैंक के कामकाज को लेकर सवाल खड़े हो गए। चक्रवर्ती ने 17 मार्च को लिखे अपने इस्तीफे में कहा था, '' पिछले दो वर्ष में बैंक के भीतर मैंने कुछ ऐसी घटनाएं एवं कार्य प्रणालियां देखीं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों व नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। इसी आधार पर मैंने यह निर्णय लिया है।'' शासन, नामांकन, पारिश्रमिक समिति के चेयरमैन एच. के. भनवाला को लिखे पत्र में चक्रवर्ती ने कहा, '' उपरोक्त के अलावा मेरे इस्तीफे का कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है।'' चक्रवर्ती को आर्थिक मामलों के सचिव के रूप में सेवानिवृत्ति के करीब एक वर्ष बाद पांच मई 2021 से अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 में तीन और वर्ष के लिए बढ़ाकर चार मई 2027 तक कर दिया गया था। चक्रवर्ती 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं और अप्रैल 2020 में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। इससे पहले वह निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के सचिव थे। ये दोनों विभाग वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं। चक्रवर्ती बैंक की मूल कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड के साथ 'रिवर्स मर्जर' प्रक्रिया के दौरान चेयरमैन बने थे, जो देश की प्रमुख आवासीय वित्त कंपनी है। एचडीएफसी लिमिटेड का एचडीएफसी बैंक में विलय एक जुलाई, 2023 से प्रभावी हुआ जिससे 18 लाख करोड़ रुपये से अधिक की संयुक्त बही-खाते वाली एक विशाल वित्तीय इकाई का निर्माण हुआ।

सरकार की अगले साल से एफसीआई के 90 लाख टन टूटे चावल को एथनॉल उद्योग को देने की योजना

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित किए जाने वाले अनाज में टूटे चावल की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत करने का प्रस्ताव मंत्रिमंडल के सामने रखने की तैयारी में है। खाद्य सचिव संजय चोपड़ा ने मंगलवार को बताया कि इससे हर साल करीब 90 लाख टन टूटे चावल एथनॉल उद्योग के लिए उपलब्ध हो सकेंगे। यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब पिछले तीन सप्ताह में वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। चोपड़ा ने कहा कि पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण पहले ही 2013 के 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे 2014 से अब तक देश को 1.63 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बचत हुई है और कच्चे तेल के आयात में 277 लाख मीट्रिक टन की कमी आई है। उन्होंने कहा कि सरकार अब केवल आपूर्ति बढ़ाने के बजाय बाजार में अधिक एथनॉल उपलब्ध कराने पर ध्यान दे रही है। इसके तहत 20 प्रतिशत से अधिक मिश्रण की अनुमति, डीजल में एथनॉल मिलाने और 'फ्लेक्स-फ्यूल' (पेट्रोल के साथ-साथ एथनॉल मिश्रण ईंधन पर चलने वाले) वाहनों को बढ़ावा देने जैसे विकल्पों पर सक्रियता से विचार किया जा रहा है और इस पर जल्द फैसला हो सकता है। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन के सम्मेलन में यहां चोपड़ा ने कहा कि टूटे चावल से जुड़ा प्रस्ताव एक पुरानी समस्या का समाधान करेगा। वर्ष 2023 में चीनी उत्पादन कम होने और चावल उत्पादन को लेकर आशंका के कारण सरकार को 'डिस्टिलरी' को कच्चे माल की आपूर्ति सीमित करनी पड़ी थी, जिससे उद्योग प्रभावित हुआ था। उन्होंने कहा, '' जलवायु परिवर्तन एक वास्तविकता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो। एथनॉल क्षेत्र को टूटे चावल की स्थिर आपूर्ति से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा।'' फिलहाल सरकार की खाद्य योजना के तहत करीब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त वितरित किए जाने वाले अनाज में टूटे चावल की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है। नई योजना के तहत इसे घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा। हर साल वितरित होने वाले 360-370 लाख टन चावल में से बचा अतिरिक्त टूटा चावल नीलामी के जरिये एथनॉल उत्पादकों, पशु आहार उद्योग और अन्य उपयोगकर्ताओं को बेचा जाएगा। इसके लिए पांच राज्यों में परीक्षण भी पूरा हो चुका है। चोपड़ा ने कहा कि अगले वर्ष से सरकार (एफसीआई) के भंडार से 'डिस्टिलरी' को साबुत चावल की आपूर्ति बंद कर देगी और इसके स्थान पर खाद्य योजना से मिलने वाला टूटा चावल वर्षभर उपलब्ध कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल होगा।

टाटा पावर की इकाई ने जीयूवीएनएल के साथ किए अनुपूरक बिजली खरीद समझौते

नई दिल्ली। टाटा पावर की मूंदड़ा संयंत्र का संचालन करने वाली उसकी इकाई कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड (सीजीपीएल) ने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ अनुपूरक बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, '' मूंदड़ा स्थित इकाइयों के संचालन के अस्थायी निलंबन के संदर्भ में हम सूचित करते हैं कि कंपनी ने टाटा पावर मूंदड़ा संयंत्र के लिए जीयूवीएनएल (गुजरात) के साथ अनुपूरक पीपीए निष्पादित किया है।'' टाटा पावर की योजना इसी तरह के समझौते महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के साथ करने की भी है। कंपनी ने दो जुलाई 2025 को मूंदड़ा संयंत्र की सभी इकाइयों का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। संयंत्र बंद रहने से उसे नुकसान उठाना पड़ रहा है। इससे पहले कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया था कि गुजरात मंत्रिमंडल ने अनुपूरक पीपीए को मंजूरी दे दी है और इसके लिए सरकारी आदेश भी जारी किया जा चुका है। नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद कंपनी और जीयूवीएनएल के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। गुजरात के कच्छ में स्थित 4,000 मेगावाट का मूंदड़ा अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट (यूएमपीपी) कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र है।

मानसी पारेख ने अपने नाम की उपलब्धि

बताया अपनी सफलता का मूल मंत्र

मुंबई। टेलीविजन से फिल्मी दुनिया तक अपनी मेहनत और प्रतिभा का परचम लहरा चुकी अभिनेत्री मानसी पारेख को हाल ही में एंटरटेनमेंट कैटेगरी में फेमिना गेम चेंजर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। अभिनेत्री ने मंगलवार को सम्मान को प्राप्त करने की खुशी जाहिर की और सभी का शुक्रिया भी अदा किया। मानसी ने इंस्टाग्राम पर एक खास वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वे अवॉर्ड हाथ में लिए हुए हैं। मानसी ने लिखा, "हम अपनी नई राह खुद बनाते हैं। यही हमेशा मेरा मंत्र रहा है, चाहे जिंदगी हो या करियर। मैंने कभी भी लोगों की उम्मीद के मुताबिक रास्ता नहीं चुना। अपना खुद का रास्ता बनाया, भले ही वह कभी-कभी अनिश्चित लगे, हमेशा फायदेमंद साबित हुआ है।" अभिनेत्री ने आगे बताया कि वे एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं और इंडस्ट्री में बिना किसी कनेक्शन के शुरुआत करना उनके लिए आसान नहीं था। मानसी ने लिखा, "बिना किसी मदद के शुरुआत करके आज अपने सपनों को जीना और दूसरों के लिए भी नए मौके बनाना बहुत संतोषजनक है।" उन्होंने फेमिना इंडिया को विशेष धन्यवाद देते हुए लिखा, "धन्यवाद फेमिना इंडिया मुझे एंटरटेनमेंट में 'गेम चेंजर' अवॉर्ड देने के लिए। आशा है कि और भी महिलाएं खुद पर भरोसा करें और अपने तरीके से खेल बदलें।" मानसी पारेख टीवी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में आती हैं। उन्होंने एमटीवी के सीरियल 'कितनी मस्त है जिंदगी' से करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद अभिनेत्री कई टीवी सीरियलों में नजर आई थी। उन्होंने 'जिंदगी का हर रंग गुलाल', 'सुमित संभाल लेगा', 'कसौटी जिंदगी की', और 'सरस्वतीचंद्र' जैसे कई सीरियलों में काम किया। इसके बाद मानसी ने फिल्मों की ओर रुख किया और तमिल, गुजराती, और हिंदी फिल्मों में काम किया। उन्होंने कई गुजराती फिल्मों में अभिनय करने के साथ-साथ कुछ फिल्मों को प्रोड्यूस भी किया है। साल 2024 में नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली फिल्म "कच्छ एक्सप्रेस" में उन्होंने न सिर्फ एक्टिंग की, बल्कि उसे प्रोड्यूस भी किया।

'दृश्यम 3' की रिलीज डेट बदली, नई तारीख का ऐलान

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल की आगामी फिल्म 'दृश्यम 3' का इंतजार लोग बेसब्री से कर रहे हैं। पहले इसकी रिलीज तारीख 2 अप्रैल चुनी गई थी, लेकिन कुछ वक्त से इसमें बदलाव की खबरें सामने आने लगी है। अब खुद सुपरस्टार ने इन खबरों की पुष्टि कर दी है। उन्होंने फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए इसकी नई रिलीज तारीख से पर्दा उठाया है। दिलचस्प बात यह है कि 'दृश्यम 3' की रिलीज के लिए बेहद खास दिन को चुना गया है। 'दृश्यम 3' इस तारीख को सिनेमाघरों में देगी दस्तक मोहनलाल ने सोशल मीडिया पर 'दृश्यम 3' की नई रिलीज तारीख बताई है। पोस्ट के मुताबिक, फिल्म अब 21 मई को रिलीज होगी, जिस दिन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता का जन्मदिन भी है। सुपरस्टार ने पोस्ट जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'अतीत कभी चुप नहीं रहता... वह सिर्फ इंतजार करता है। जॉर्जकुट्टी आ रही है, 21 मई, 2026 'दृश्यम 3' दुनिया भर में रिलीज।' फिल्म के नए पोस्टर में मोहनलाल 'जॉर्जकुट्टी' के किरदार में बेहद शांत दिखाई दे रहे हैं। 'दृश्यम 3' की रिलीज तारीख बदलने के पीछे का कारण नहीं बताया गया है। कुछ दिन पहले ट्रेड ट्रैकर श्रीधर पिल्लई ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि खाड़ी देशों में पैदा हुई स्थिति के कारण यह बदलाव किया जा सकता है। दरअसल, खाड़ी देशों में मलयालम सिनेमा का बड़ा बाजार है और निर्माता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। इससे पहले, यश अभिनीत 'टॉक्सिक' की रिलीज तारीख जून, 2026 तक के लिए स्थगित की जा चुकी है।

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' का जलवा जारी

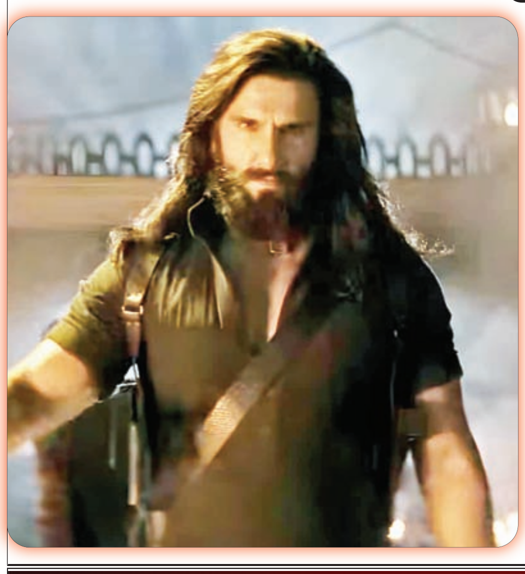

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर 2: द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के बाद से ही फिल्म ने कमाई के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और अब महज पांच दिनों में 500 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल होकर इतिहास रच दिया है। दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते फिल्म निर्माताओं के लिए यह किसी 'नोट छापने की मशीन' से कम साबित नहीं हो रही है। ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने पांचवें दिन यानी सोमवार को 65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। हालांकि वीकेंड के मुकाबले कमाई में गिरावट देखी गई, लेकिन इसके बावजूद फिल्म की रफ्तार मजबूत बनी हुई है। इससे पहले तीसरे दिन फिल्म ने 113 करोड़ और चौथे दिन 114.85 करोड़ रुपये कमाए थे। पांच दिनों में फिल्म का कुल घरेलू कलेक्शन 519.12 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जबकि वर्ल्डवाइड स्तर पर इसने 829.76 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। वहीं, पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' को बॉक्स ऑफिस पर झटका लगा है। पहले दिन 34.75 करोड़ की ओपनिंग लेने के बाद फिल्म की कमाई में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। पांचवें दिन फिल्म ने केवल 1.96 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल कलेक्शन 62.26 करोड़ रुपये तक पहुंच सका है। फिल्म में राशि खन्ना और श्रीलीला भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रही हैं।

रजनीकांत ने की आदित्य धर की 'धुरंधर: द रिवेंज' की प्रशंसा

नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' की सराहना करते हुए कहा कि यह सभी को देखनी चाहिए। गत 19 मार्च को रिलीज हुई यह फिल्म वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर अब तक 700 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर चुकी है। रणवीर सिंह अभिनीत यह फिल्म 2025 में रिलीज हुई 'धुरंधर' की अगली कड़ी है, जिसने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की थी। रजनीकांत ने सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, "क्या फिल्म है... धुरंधर2 ? आदित्य धर बॉक्स ऑफिस के 'बाप' हैं... रणवीर और पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। हर भारतीय को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। जयहिंद।" 'धुरंधर: द रिवेंज' में अभिनेता आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी दुबारा अपनी भूमिकाओं में दिखे हैं। फिल्म कंधार विमान अपहरण, 2001 के संसद हमले और 26/11 मुंबई हमलों जैसी भू-राजनीतिक और आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित खुफिया अभियानों की कहानी है। यह 'अंडरवर्ल्ड' में हमजा अली मजारी के उदय को दर्शाने के साथ-साथ जसकीरत सिंह रंगी के रूप में उसके अतीत की कहानी भी दिखाती है। 'धुरंधर: द रिवेंज' का निर्माण ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने किया है और इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ तथा मलयालम भाषाओं में रिलीज किया गया है।